

# हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

5 सितम्बर, 2000

खण्ड-2 अंक-1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

मंगलवार, 5 सितम्बर, 2000

	पृष्ठ संख्या
भाोक प्रस्ताव	(1)1
तारांकत प्र न एवं उत्तर	(1)13
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए	(1)29

तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	
घोशणाएं—	
(क) अध्यक्ष द्वारा—	
(i) सभापतियों के नामों की सूची	(1)32
(ii) याचिका समिति	(1)33
(ख) सचिव द्वारा—	
राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी	(1)33
बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पर करना	(1)34
सदन की मेज पर रखे गये पुन रखे गए कागज-पत्र	(1)38

# हरियाणा विधान सभा

मंगलवार, 5 सितम्बर, 2000

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1, चण्डीगढ़ में 14.0 बजे हुई। अध्यक्ष (सतबीर सिंह कादयान) ने अध्यक्षता की।

## भाक प्रस्ताव

**Mr. Speaker:** Hon. Members, now Chief Minister will make Obituary References.

**मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):** अध्यक्ष महोदय, इस सम्मानित सदन के पिछले अधिवेशन और इस अधिवेशन के बीच में ऐसी विभातियों इस संसार से चली गई जिन्हें याद करके हृदय को बहुत पीड़ा होती है।

## हरियाणा के भाहीद

अध्यक्ष महोदय, यह सदन उन वीर सैनिकों, जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा देश की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया, को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है। इन महान भाहीदों के नाम इस प्रकार हैं:—

1. नायक रघुबीर सिंह, गांव सोताय, फरीदाबाद

2. हवलदार ि तयोरराज सिंह, गांव खेड़ी, महेन्द्रगढ़
3. हवलदार दलबीर सिंह गांव चरखी, भिवानी
4. सिपाही भयाम फूल खन्ना, गांव जसीया, रोहतक
5. सिपाही सु गील कुमार, गांव अटोलापुर, पानीपत

यह सदन इस महान वीरों की भाहादत पर इन्हें भात- तात नमन करता है। और इनके भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इनके अलावा तीन तारीख को एक बी0एस0एफ0 के सब इंस्पैक्टर की डैड बाडी महेन्द्रगढ़ जिले अमें आई और मै। इत्तफाक से उन दिन उधर दौरे पर था। मुझे उनके घर जाने का अवसर मिला। मै सदन से निवेदन करूंगा कि उनका नाम भी इन भाहीदों के नाम के साथ जोड़ लिया जाए।

**श्री जगजीत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि सिपाही जगदी तक्षक गांव भागवी, जिला भिवानी का नाम भी नइ भाहीदों की लिस्ट में भाामिल कर लिया जाए क्योंकि वह भी कारगिल में भाहीद हुआ है।

**श्री ओम प्रका त चौटाला:** ठीक है, अध्यक्ष महोदय, इनकानाम भी इस लिस्ट में जोड़ दिया जाए। इनके अलावा यदि ऐसा कोई भाहीद हो तो उसका नाम भी इस लिस्ट में जोड़ दिया

जाए। यह सदन इन महान वीरों की भाहादत पर इन्हें भात— त नमन करता है और इनके भाोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### श्री पी०आर० कुमारमंगलम, भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री

अध्यक्ष महोदय, यह सदन केन्द्रीय मंत्री श्री पी०आर०कुमारमंगलम के 23 अगस्त 2000 को हुए दुःखद वे असामयिक निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता हैं अध्यक्ष महोदय, राजनीति उनके खून में थी। इनके पिताश्री केन्द्रीय सरकार में मंत्री के पद पर आसीन रहें वे अपने युग में बहुत सुयोग्य राजनीतिज्ञों में से एक थे। व्यक्तिगत तौर पर मेरे भी उनके साथ बहुत अच्छे संबंध रहे। विशेष रूप से यह सदन ही नहीं बल्कि पूरा प्रदे ा उनका इस बात के लिए आभार व्यक्त करेगा कि जिस समय यहामरे प्रदे ा पर बिजली का बहुत भारी संकट था उस समय अन्होन इन्टरवीन करके हमें केन्द्रीय पूल से हरियाणा प्रदे ा के हक से ज्यादा बिजली दे कर हमें अनुग्रहीत किया था। उनका जन्म 12 मई 1952 को हुआ। उनहोने बी०एस०सी० और एल०एल०बी० की डिग्रिया प्राप्त की। उनहोने 1975 में राजनीतिक क्षेत्र में प्रवे ा हिकया औरवे श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हुए एक प्रख्यात श्रमिक नेता बने। वह 1984, 1989, 1991, 1998 और 1999 में लोक सभा के सदस्य चुने गए। वह एक आधुनिक दृष्टिकोण के व्यक्ति थे और अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल तथा बांग

भाशाओं के ज्ञाता थे। वह 1991 से 1993 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे और 1998 से केन्द्रीय मंत्री थे।

उनके निधन से देश एक सक्रिय सांसद और योग्य प्रशासक की कमी से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाकर-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता है।

### श्री राजे पायलट, भूतपूर्व मंत्री

यह सदन भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री राजे पायलट के 11 जून, 2000 को हुए दुःखद व असामाजिक निधन पर गहरा भाकर प्रकट करता है।

उनका जनम 10 फरवरी, 1945 को हुआ। वह 15 वर्ष भारतीय वायु सेना में स्कवाड्रन लीडर के पद पर रहे। वह 1980, 1984, 1991 और 1999 में लोक सभा के सदस्य चुने गये। वह 1985 से 1989 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे। उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाकर-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है। व्यक्तिगत तौर पर उनकी जितनी भी सराहना की जाए वह बहुत कहीं कम है। वे बहुत ही व्यवहार कुशल के व्यक्ति थे। उनके अन्दर एक विशेषता थी कि जब भी कोई व्यक्ति उनके टेलीफोन पर संपर्क स्थापित करने की कोशिश करता था तो यदि वे दिल्ली से बाहर होते या

विदेा में भी होते थे तो भी संबधित व्यक्ति से टेलीफोन पर उससे संपर्क स्थापित करने की कोशिश करते थे। वे लोगों की शिकायतें सुन करके उनको हल करने का प्रयास करते। वे एक बहुत अच्छे कृशक देनता थे। वे किसानों और गरीबों की सहायता में हमेशा लगे रहते थे। वे खासकर ग्रामीण आंचल में बसने वालों की शिकायतों को बड़े ध्यान से सुन करके उनको हल करने का प्रयास करते थे।

उनके निधन से देा एक योग्य प्रशासक और अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत से भाके सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### **राव लक्ष्मी नारायण, हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री**

यह सदन हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री राव लक्ष्मी नारायण के 23 अप्रैल, 2000 को हुए दुखद निधन पर गहरा भाके प्रकट करता है।

उनका जन्म 1943 में हुआ। वह 1987 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1987 से 1991 तक मंत्री रहे।

उनके निधन से राज्य एक योग्य प्रशासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत से

भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सीता राम बागला, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सीता राम बागला के 23 जून, 2000 को हुए दुःखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता है

उनका जन्म 6 जुलाई, 1912 को हुआ। उन्होंने भारत छोड़ों आंदोलन में भाग लिया। उन्होंने अपनी 200 बीघा जमीन 'भू-दान आंदोलन' में दान दी। वह 1962 में संयुक्त पंजाक विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से दे 1 एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक-सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है

**श्री द नि सिंह झबाल, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व  
सदस्य**

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री द नि सिंह झबाल के 19 जुलाई 2000 का हुए दुःखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता है।



उनका जन्म 1 अप्रैल, 1923 को हुआ। वह 1952 में संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा 1969 और 1977 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से देश एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत से भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### **श्री जयदेव सिंह संधू, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य**

यह सदन संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जयदेव सिंह संधू के 8 अप्रैल, 2000 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 29 अक्टूबर, 1929 को हुआ। उन्होंने बी०ए० और एल०एल०बी० की डिग्रियां प्राप्त की। वह 1957 और 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा 1970-71 के दौरान राज्य मंत्री रहे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

**कैप्टन हवा सिंह, ख्याति प्राप्त मुक्केबाज**

यह सदन ख्याति प्राप्त मुक्केबाज कैप्टन हवा सिंह के 14 अगस्त, 2000 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाव प्रकट करता है।

उनका जन्म 15 दिसम्बर, 1937 को हुआ। वह 1956 में भारतीय सेना में भर्ती हुए और 1983 में कैप्टन के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। उन्होंने चार बार अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। उनहोंने 1966 और 1970 में हुए एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें 'अर्जुन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। वह 1985 में मुक्केबाजी के प्रशिक्षण नियुक्त हुए। उनहोंने देश का नाम रोशन करने वाले 25 से अधिक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाजों को प्रशिक्षित किया। भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन्हें 29 अगस्त, 2000 को मरणोपरान्त द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश के ख्याति प्राप्त मुक्केबाज, श्रेष्ठ प्रशिक्षक तथा वीर सैनिक की सेवाओं से वंचित हो गया। यह सदन दिवंगत से भाव सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री गोपीचंद गहलोत के चाचा श्री भोर सिंह गहलोत, हरियाणा विधान

सभा के सदस्य श्री बंसी लाल की माता श्रीमती धापा देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राम किान के छोटै भाई श्री उदयभान तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जनरैल सिंह के पिता श्री हाकम सिंह के हुए दुःखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक सतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगत के भाोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

यह सदन 20 मार्च, 2000 को छती सिंहपुरा (अनंतनाग) और 2 अगस्त, 2000 को पहलामा तथा जम्मू-क मीर के अन्य स्थानों पर उग्रवादियों द्वारा मारे गए लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

### **प्राकृतिक आपदाए**

यह सदन अगस्त, 2000 में हिमाचल प्रदेश 1 और आंध्र प्रदेश 1 में आई भारी बाढ़ से मरने वाले लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों को भाोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, उड़ीसा में आए साईक्लोन की वजह से जो बहुत भारी जानी नुक्सान हुआ है। उन मरने वाले लोगों के प्रति भी यह सदन हादिक संवेदना प्रकट करता है। और मैं प्रस्ताव करता हूँ कि उनके नामों को भी इस भाोक प्रस्ताव में भामिल कर लिया जाए।

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है उनके नामों को भी इस भाोक प्रस्ताव में भामिल कर लिया जाए।

**श्री ओम प्रका । चौटाला:** अध्यक्ष महोदय, मैं यह भी प्रस्तुत करता हूँ कि जम्मू में हुई हवाई दुर्घटना में मरे लोगों के नाम भी इस भाोक प्रस्ताव में जोड़ लिये जाए।

**श्री अध्यक्ष:** उनके नामों को भी इस में भामिल प्रस्ताव किया जाएं।

**श्री भजन लाल (आदमपुर):** अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ।न के बाद 6 महीने के अन्तराल में इस दे । में बहुत सी महान विभूतियां हमसे जुदा हुई है, आज सारा सदन उनके प्रति भाोक प्रस्ताव में भामिल हैं अध्यक्ष महोदय, उन महानुभावों की चर्चा मैं इस महान सदन में करूंगा। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों, जिन्होंने अपनी मातृभूति की रक्षा तथा दे । की एकता और अखण्डता के लिए साहस और

वीरता से लड़ते हुए अपनी जीव का बलिदार दिया, को अपनी अश्रुपूर्ण नमन करता हूँ। इन महान भाहीदों के नाम इस प्रकार हैं:—नायम रघुवीर सिंह, गांव सोताय, फरीदाबाद, हवलदार ियोरज सिंह, गांव खेड़ी, महेन्द्रगढ़, हवलदार दलबीर सिंह, गांव सोताय, फरीदाबाद, हवलदार ियोरज सिंह, गांव खेड़ी महेन्द्रगढ़, हवलदार दलबीर सिंह, गांव चरखी भिवानी, सिपाही भयाम फुल खन्ना गांव जसीया रोहतक, सिपाही सु गील कुमार, गांव अटोलापुर, पानीपत। मैं अपनी तरफ से और अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की भाहादत पर इन्हों भात— ात नमन करता हूँ और इनके भाोक सतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा 2-3 नाम और जोड़े गए हैं। दादरी से और एक नारनौल से, उनके नाम भी इनमें भामिल कर लिए जाए।

**नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह):** अध्यक्ष महोदय, बादली के दो भाहीदों के नाम भी इसमें जोड़ लिए जाए।

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है, उनके नाम भी भामिल कर लिए जाएं।

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरह से ओर अपनी पार्टी की तरह से केन्द्रीय मंत्री श्री पी0आर0 कुमारमंगलम के 23 अगस्त, 2000 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट

करता हूँ। उनका जन्म 12 मई, 1952 को हुआ। उन्होंने बी०एस०सी० और एल०एलबी० की डिग्रियां प्राप्त की। उन्होंने 1975 में राजनीति क्षेत्र में प्रवेश किया और वे श्रमिकों के हितों की रक्षा करते हुए एक प्रख्यात श्रमिक नेता बने। वह 1984, 1989, 1991, 1998 और 1999 में लोक सभा के सदस्य चुने गये। वह एक आधुनिक दृष्टिकोण के व्यक्ति थे और अंग्रेजी, हिन्दी, तमिल तथा बांग्ला भाषाओं के ज्ञाता थे। वं 1991 से 1993 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री रहे और 1998से केन्द्रीय मंत्री थे।

उनके निधन से देश एक सक्रिय सांसद और योग्य प्रशासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरह से और अपनी पार्टी की तरह से दिवंगत के भाग्य संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

मैं अपनी तरह से अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री राजेश पायलट के 11 जून, 2000 को हुए दुःखद व असामाजिक निधन पर गहरा भाग्य प्रकट करता हूँ।

उनका जन्म 10 फरवरी, 1945 को हुआ। वह 15 वर्ष भारतीय वायुसेना में स्कवाड्रन लीडर के पद पर रहे। वह 1980, 1984, 1991 और 1998 में लोक सभा के सदस्य चुने गये। वह 1985 से 1989 तक केन्द्रीय राज्य मंत्री और 1991 से 1996 तक केन्द्रीय मंत्री रहे। अध्यक्ष महोदय, वे मेरे साथ मिनिस्टर भी रहे।

हरियाणा के साथ उनका बहुत ही घनिष्ठ सम्बन्ध था तथा वे दे 1 के जाने माने राजनेता थे। उनके निधर से एक खलल पदैदा हो गई है। वे बहुत ही सक्षम, काबिल और मिलनसार व्यक्ति थे और गरीब आदमी की सेवा करने वाले व्यक्ति थे उनके जैसे व्यक्ति इस दे 1 में बहुत ही कम मिलेगे। उनका निधर मेरा पर्सनल लौंस हैं उनके चले जाने से इस दे 1 का बहुत भारी नुकसान हुआ हैं उनके निधन पर मैं भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति पअनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा के भूतपूर्व मंत्री श्री रावल लक्ष्मी नारायण के 23 अप्रैल, 2000 को हुद दुःखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता हू। उनका जन्म 1943 में हुआ। वह 1987 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए। वह 1987 से 1991 तक मंत्री रहे। उनके निधन से राज्य एक योग्य प्र ासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरह से और अपनी पार्टी की तरफ से संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सीता राम बागला के 23 जून, 2000 को हुए दुःखद निधर पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 6 जुलाई, 1912 को हुआ था। उनहोने 'भारत छोड़ो आंदोलन' में लाग लिया। उन्होने अपनी 200

बीधा जमीन भू-दान आंदोलन में दान दी थी। वह 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। उनके निधन से दे 1 योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों को प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री द न्नि सिंह झबाल के 19 जुलाई, 2000 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 1 अप्रैल, 1923 को हुआ था। वह 1952 में संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा 1969 और 1977 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गए। उनके निधन से दे 1 एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री जयदवे सिंह संधू के 8 अप्रैल, 2000 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 29 अक्टूबर, 1929 को हुआ। उनहोंने बी0ए0 और एल0एल0बी0 की डिग्रियां प्राप्त की। वह 1957 और 1962 में संयुक्त पंजाब विधान सभा तथा 1969 और 1972 में पंजाब विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1970-71 के दौरान



राज्य मंत्री रहे। उनके निधन से दे । एक योग्य प्र तासक और अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरै से दिवंगत के भाोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से ख्याति प्राप्त मुक्केबाज कैप्टन हवा सिंह के 14 अगस्त, 2000 को हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं। ऐसे खिलाड़ी और मुक्केबाज दे । में बहुत कम पैदा होते है उनके निधन से खेल जगत में बहुत खलल पैदा हो गई हैं मैं अपनी तरह से और अपनी पार्टी की तरै से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री गोपीचंद गहलोत के चाचा श्री भोर सिंह गहलोत, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बंसी लाल जी की माता श्रीमती धापा देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य, श्री राम कि ान के छोटै भाई श्री उदयभान तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जरनैल सिंह के पिता श्री आकम सिंह के हुए दुःखद निधन पर गहरा भाोक प्रकट करता हूं मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगतों के भाोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से अगस्त, 2000 में हिमालय प्रदेश और आंध्र प्रदेश में आई भारी बाढ़ से मरने वाले लोगों के दुःखद एवं असामायिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा कई ओर जगहों पर भी बाढ़ आई जहाँ पर बहुत से लोगों की मौतें हुईं उनका तो नाम आ गया लेकिन जहाँ पर इक्का दुक्का मौतें हुईं उनका नाम भी इसमें शामिल होना चाहिए।

**श्री कृष्ण पाल (मेवला महाराष्ट्र):** अध्यक्ष महोदय, पिछले सदन के बाद से इस सदन के आने तक हमारे बची में से इस देश की अनेक महान विभूतियों चली गई हैं जिनका उल्लेख मैं आपके सामने करना चाहूँगा। अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों, जिन्होंने अपनी मातृभूति की रक्षा के लिए तथा देश की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूँ। इन महान वीरों भावीदों के नाम इस प्रकार हैं:—

1. नायक रघुबीर सिंह, गांव सोताय, फरीदाबाद
2. हवलदार विजयराज सिंह, गांव खेड़ी, महेन्द्रगढ़
3. हवलदार दलबीर सिंह गांव चरखी, भिवानी
4. सिपाही भयाम फूल खन्ना, गांव जसीया, रोहतक

5. सिपाही सु गील कुमार, गांव अटोलापुर, पानीपत

अध्यक्ष महोदय, इसी तरी से बी0एस0एफ0 के एक जवान, जो नारनौल का रहने वाला था, बादली के दो जवान एवं दादरी के एक जवान तथा और दूसरे जवानों के भाहीद होने पर भी मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से अश्रुपूर्ण नमन करता हूं। ये सैनिक इस देश की रक्षा के लिए भाहीद हो गए।

मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरो की भाहादत पर इन्हें भात- भात नमन करता हूं इनके भाोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से कन्द्रीय मंत्री श्री पी0आर0 कुमारमंगलम के 23 अगस्त, 2000 को हुए दुःखद व असामायिक निधन पर मैं अपनी तरह से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूं। श्री कुमारमंगलम को ऊर्जा क्रांति लोने के जनक के रूप में जाना जायेगा। खासतौर से हरियाणा को ऊर्जा के क्षेत्र में उनकी सबसे बड़ी देन यह है कि उनहोने फरीदाबाद में गैस पर आधारित 430 मैगावाट की बिजली घर चालू करवाया। यह बिजली घर हिन्दुस्तान में मिसाल के रूप में ऐसा होगा जिसकी सारी की सारी बिजली सिर्फ हरियाणा को दो जायेगी। इसलिए हरियाणा का किसान, हरियाणा का मजदूर और हरियाणा का व्यापारी उनकी इस देन को कभी भुला नहीं पाएगा।

उनके निधन से दे । एक सक्रिय सांसद और योग्य प्र तासक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से भूतपूर्व केन्द्रीय मंत्री श्री राजे । पायलट के 11 जून, 2000 को हुए दुःखद व असामयिक निधन पर भी गहरा भाोक प्रकट करता हूं। श्री पायलट दादरी (उत्तर प्रदे ।) के वैधपुरा गांव में पैदा हुए थे। वे एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखते थे। इतने साधारण परिवार से केन्द्रीय मंत्री तक पहुंचना अपने आप में एक बात है। वे किसानों की, मजदूरों की और आम आदमी की आवाज उठाया करते थे। उनको बेबाक और निर्भीक व्यक्ति के रूप में जाना जाता था। अच्छी बात को अच्छी बात कहना और गलत बात को गलत कहना उनकी आदत में शामिल था। लेकिन आज वे हमारे बीच में नहीं रहे। आज इस दे । ने एक उभरता हुआ राष्ट्रीय नेता खो दिया है।

उनके निधन से दे । एक योग्य प्र तासक और अनुभवी सांसद की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

इसी प्रकार से इसी विधान सभा के सदस्य रहे राव लक्ष्मी नारायण जिनका निधन 23 अप्रैल, 2000 को हुआ, पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 1943 में हुआ। वह 1987 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये। वह 1987 से 1991 तक मंत्री रहे। लेकिन आज वे भी हमारे बीच में नहीं रहे। उनके निधन से राज्य एक योग्य प्रशासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ दिवंगत के भाोक सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसी तरह से अध्यक्ष महोदय, संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सीता राम बागला के 23 जून, 2000 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूँ।

इसी तरह से श्री दर्शन सिंह झबाल जोकि संयुक्त विधान सभा के सदस्य रहे हैं, के 19 जुलाई, 2000 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भाोक प्रकट करता हूँ।

इसी प्रकार से श्री जयदेव सिंह संधू जोकि संयुक्त विधान सभा के सदस्य रहे हैं, के 8 अप्रैल, 2000 को हुए दुःखद निधन पर यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और अनुभवी विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक-सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

इसी तरह से कैप्टन हवा सिंह जोकि एक ख्याति प्राप्त मुक्केबाज रहे हैं, के 14 अगस्त, 2000 को हुए दुखद निधन पर भी यह सदन गहरा भाोक प्रकट करता है। उनका जन्म 15 दिसम्बर, 1937 में हुआ। वह 1956 में भारतीय सेना में भर्ती हुए और 1983 में कैप्टन के पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने 1962, 1965 और 1971 के युद्धों के दौरान अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया। उनहोने 1966 और 1970 में हुए एशियाई खेलों में दो स्वर्ण पदक जीते। खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवार्ड तथा भीम अवार्ड से सम्मानित किया गया। वह 1985 में मुक्केबाजी के प्रशिक्षण नियुक्त हुए। उन्होंने देश का नाम रोशन करने वाले 25 से अधिक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के मुक्केबाजों को प्रशिक्षित किया। भारत के राष्ट्रपति द्वारा उन्हें 29 अगस्त, 2000 को मरणोपरान्त द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

उनके निधन से देश के ख्याति प्राप्त मुक्केबाज, श्रेष्ठ प्रशिक्षक तथा वीर सैनिक की सेवाओं से वंचित हो गया। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाोक-सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं हरियाणा विधान सभा के उपाध्यक्ष श्री गोपीचंद गहलोत के चाचा श्री भोर सिंह गहलोत, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री बंसी लाल की माता श्रीमती धापा देवी, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री राम किान के छोटे भाई श्री उदयभान तथा हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जनरैल सिंह के पिता श्री हाकम सिंह के हुए दुःखद निधन पर गहरा भाव प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से ओर अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के भाव सतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से 20 मार्च, 2000 व 2 अगस्त, 2000 को छती सिंहपुरा व जम्मू क मीर के अन्य स्थानों पर उग्रवादियों द्वारा मारे गए लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा भाव प्रकट करता हूँ।

यह सदन 20 मार्च, 2000 को छती सिंहपुरा (अनंतनाग) और 2 अगस्त, 2000 को पहलामा तथा जम्मू-क मीर के अन्य स्थानों पर उग्रवादियों द्वारा मारे गए लोगों के दुःखद एवं असामयिक निधन पर गहरा भाव प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के भाव-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से अगस्त, 2000 में हिमाचल प्रदेश और उड़ीसा प्रदेश में आई भारी बाढ़ से मरने वाले लोगों के दुःखद एवं असामायिक निधन पर मैं अपनी व अपनी पार्टी की तरफ से गहरा भावुक गहरा भावुक प्रकट करता हूँ। पटना में हुई हवाई त्रासदी में मरने वाले लोगों के नामों को भी इस भावुक प्रस्ताव में जोड़ दिया जाए। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से भावुक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। इसी प्रकार से स्वामी कृष्ण गिरी जो महाराज का मैं जिक्र करना चाहूंगा। उनके हरियाणा में कई जगह डेरे थे और वे गिरी पंथ के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे, इनकी हत्या रामपुरा डेरे में हुई। वे अनेक गाँवों चल रहे थे हरियाणा के संत समाज में उनका अहम स्थान था मैं अपनी तरफ से वे अपनी पार्टी के सदस्यों की तरफ से उनके प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। उनका नाम भी इस भावुक प्रस्ताव में शामिल करने का मैं अनुरोध करता हूँ।

श्री बंसी लाल (भिवानी): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो भावुक प्रस्ताव पेश किया है उसका मैं अनुमोदन करता हूँ। इस देश के महान भावी देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपनी जानों की बाजी लगा गए नायक रघुबीर सिंह, हवलदार शिवराज, हवलदार दलबीर सिंह, सिपाही भायम फूल खन्ना, सिपाही सुशील कुमार और जितने नाम चौधरी धीरपाल सिंह जी



ने गिनाए उन सबके भाोक संतप्त परिवार के साथ में संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से श्री पी०आर० कुमारमंगलम के दिनांक 23 अगस्त, 2000 को हुद दुःख हैं वे एक बहुत लायक व्यक्ति थे ओर सही मायने में रैगूलर ढंग से काम करने वाले थे उनहोने कभी किसी आदमी को काम करने में नाराज नहीं होने दिया और ह काम को बड़ी खूबसूरती से किया, वे कई भाशाओं के ज्ञाता थे। वे कई बार लोकसीमा के लिए चुने गए। यह एक इत्तिफाक की बात है। कि कुमारमंगलजम जी की तीनों पीढ़िया केन्द्रीय सरकार में कैबिनेट मिनिस्टर बनी, उनके दादा श्री सी० सुब्बा राव पंडित जवाहर लाल नेहरू की कैबिनेट में कम्यूनिके टान मिनिस्टर थे, इत्तिफाक की बात है कि मेरा उनसे भी पोस्ट एंड टेलीग्राफ से सिलसिले में मिलना हुआ था, उनके सुपुत्र श्री मोहन कुमारमंगलम केन्द्रीय सरकार में इस्पात मंत्री रहे और रंगराजन कुमारमंगलम का काम करने का तरीका अपना था आर वे हर बात अपने ढंग से करते थे ओर बहुत ही कुशलता से करते थे मेरा उनसे काफी सम्पर्क रहा, उनके लिए जितना कह दिया जाए, थोड़ा हैं भगवान की इच्छा थी कि 48 साल की उम्र में उन्हें इस संसार से जाना पड़ा मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री राजे पायलट बहुत होनहार युवक थे जब वे विंग कामाण्डर थे तब मेरा उनसे वास्ता रहा है जब वे केन्द्र में

राज्यमंत्री थे तब भी हमारे साथ ही इकट्ठा काम किया था क्योंकि वे मोरे साथ ही राज्यमंत्री थे। मगर मृत्यु का हाथ बड़ा क्रूर होता है। उनकी जीप का एक्सीडेंट हो गया और वे इस संसार से चले गये मैं यह कहूंगा कि अगर वे जिन्दा रहते तो भायद दे । की राजनीति को नया मोड़ देते। मुझे उनकी मृत्यु से बड़ा भारी भाोक हुआ है ओर मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

राव लक्ष्मी नारायण जी इस हाउस के मैम्बर रहे। अब वे इस संसार से चले गये। उनके परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री सीता राम बागला सिरसा के रहने वाले थे। वे पंजाब विधान सभा में सदस्य रहे। सबसे बड़ी बात तो यह है कि वे फ्रीडम फाईटर थे उनहोने दे । की आजादी के एिल सजा काटी। अपनी पूरी जमीन भी दे । के लिए दे दी। उनकी कुर्बानी भुलाई नहीं जा सकती। उनके परिवार के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री द र्नि सिंह झबाल संयुक्त पंजाब में विधान सभा के सदस्य रहे। मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

श्री जयदेव सिंह संघू ज्ञानी करतार सिंह जी के बडे चहेते थे, उनके फौलोवर थे ओर अकाली पार्टी के सदस्य थे। श्री

जयदेव सिंह संधू से मेरे व्यक्तिगत संबंध रहे हैं और वे पंजाब सरकार में मंत्री भी रहे। उनकी इस तरीके से मृत्यु होने पर मैं उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।

कैप्टन हवा सिंह एक मुक्केबाज थे, वे 14 अगस्त, 2000 को इस संसार से चल बसे, उनके परिवार के प्रति भी मैं संवेदना प्रकट करता हूँ।

बाकी जो सदस्यगण के रिश्तेदारों के नाम बताये हैं उनके प्रति भी मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, छतीसगढ़ पुरा में जो हत्याएं की गई हैं, जिस ढंग से एक ही जाति के लोगों को छांटकर लाइन में लगाकर गोलियां चलाई गईं यह बहुत अफसोसनाक और दिल हिलाने वाली बात है मगर ये टरोश्रिस्ट ऐसी वारदातें अक्सर करते रहते हैं उनके लिए मैं। भारत सरकार से कहूंगा कि उनके प्रति किसी प्रकार की ढील नहीं बरतनी चाहिए और सरकार को सख्ती से काम लेना चाहिए। आज वे 36 परिवार किस के सहारे बैठे हुए हैं। कहां जाये और क्या करें। वे आज कुछ नहीं कर सकते हैं। जब मौते होती हैं तो हर आदमी संवेदना प्रकट करने चला जाता है मगर बाद में कोई नहीं पूछता कि उन परिवारों को क्या हाल है यह बहुत ही भारनाम कबात है मैं उन 36 व्यक्तियों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, ने अगस्त, 2000 में हिमालय प्रदेश में प्राकृतिक आपदा आने की चर्चा की। उस दिन जिन लोगों के साथ यह हादसा हुआ यह ताज्जुब की बात है कि सतलुज नदी में अट्ठाई करोड़ क्यूबिक पानी एक साथ आ गया इसके बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था। तिब्बत में बादल फट गया और अचानक इतना पानी आ गया और काफी लोग मारे गये। परन्तु यह आपदा हिमाचल प्रदेश सरकार और भारत सरकार को कुछ दिन तक और तंग करेगी क्योंकि ये लोग हां जायेगे और कहां सैटल होंगे। उन सभी संतप्त परिवारों के प्रति मैं अपनी संवेदना प्रकट करता हूँ।

आसाम की बाढ़ में जो लोग मारे गए हैं उनके नाम भी इस भाोक प्रस्ताव भामिल कर लिए जाएं। मैं चाहता हूँ कि आंध्र प्रदेश की बाढ़ में जो लोग मारे गए हैं उनके नाम भी इस भाोक प्रस्ताव की सूची में भामिल कर लिए जाएं। अभी कृष्ण पाल जी ने कहा पटना में जो हवाई त्रायदी में बहुत से लोग मारे गए, मेरी गुजरि है कि इस त्रासदी में मारे गए लोगों के नाम भी इस भाोक प्रस्ताव सूची में भामिल कर लिए जाए। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ-साथ मैं यह भी कहना चाहूंगा कि जितने मैम्बर्ज ने जिन-जिन लोगों के नाम इस भाोक प्रस्ता में भामिल करने का सुझाव दिया है उनके नाम इस भाोक प्रस्ताव में भामिल कर लिए जाए। इन भाब्दों के साथ मैं इस भाोक प्रस्ताव पर अपनी सहमति प्रकट करता हूँ।

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है, उनके नाम भामिल कर लिए जाएं।

**श्री उपाध्यक्ष:** माननीय अध्यक्ष जी, यहां पर जितने भी भाोक प्रस्ताव आए हैं, मैं उन पर अपनी संवेदना प्रकट करतते हुए गुजारि ा करना चाहूंगा कि विपक्ष के नेता माननीय श्री भजन लाल के भांजे श्री हनुमान सिंह एक्स एम0एल0ए0 के 25 वर्षीय बेटे श्री कृष्ण और उनकी पुत्रवधु 22 वर्षीय श्रीमती सीमा देवी, की िमला के पास दुर्घना में असामयिक मृत्यु हो गई, उने नाम श्री भाोक प्रस्ताव नं0 9 में भामिल कर लिए जाए।

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है, उनके नाम इस भाोक प्रस्ताव में भामिल कर लिए जाएं। Leaders of different partes have expressed their views about the departed personaliites, I also agree with their views.

माननीय सदस्यगण पिछले सदन और इस सदन के बीच में हमारे दे ा के बहुत से सहयोगी सैनिक, बहुत काबिल राजनेता, अच्छे खिलाड़ी और समाज सेवियों का निधन हो गया, उनमें हमारे कई माननीय सदस्यगणों के परिवारजन भामिल हैं इससे सारे समाज को, इसारे दे ज्ञ को गहरा धकका लगा है। तथा कई बातों पर वैक्युम भी पैदा हुआ हैं मै भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान दिवंगत आतओं के परिवारजनों को इस दुःख और तकलीफ की घड़ी को बर्दा ात करने की ताकत और सहारा दे। सबसे होनहार श्री पी0आर0 कुमारमंगलम जी इस दे ा के केन्द्रीय मंत्री थे, इनकी मृत्यु 48 वर्ष की आयु में ही हो गई। इन्होंने

हरियाणा प्रदेश के लिए और देश के दूसरे प्रदेशों के लिए बिजली आदि दूसरे क्षेत्रों में जितना योगदान दे सकते थे, दिया। उनके निधन से इस देश को भारी क्षति पहुंची है।

श्री राजे पायलट की विचित्र तरीके से मृत्यु हो गई। ये एक अच्छे सैनिक और अच्छे राजनेता थे। उनकी मृत्यु रोड़ एक्सीडेंट में हुई तथा ये खुद ही गाड़ी चला रहे थे। वे किसानों के लिए लड़ाई लड़ते थे, उनसे मिलने का तो मुझे मौका नहीं मिला लेकिन मुझे उनकी विचारधारा अच्छी लगती थी उनके निधन से एक सुयोग्य भासक हमारे बीच में नहीं रहा।

राव लक्ष्मी नारायण 1987 से 1991 तक एम0एल0ए0 रहे। उन्होंने चौधरी देवी लाल और ओम प्रकाश चौटाला की वजह से कर्षण महकमों में कार्य किया। वे हंसमुख और खुशामिजाज के व्यक्ति थे। उनके निधन से प्रदेश को गहरा धक्का लगा है। इसी तरह से श्री सीताराम बागला जो संयुक्त पंजाब विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य थे, उनके निधन पर भी मुझे दुःख है उनकी भू-दान आंदोलन में सहयोगिता का प्रमाण इस क्षेत्र में मिलना मुश्किल और श्री दर्शन लाल झबाल जो 1952 में संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य बने, उन्होंने अपनी कुशलता से प्रदेश की बहुत अच्छी तरह से सेवा की उनके निधन से भी मुझे गहरा दुःख है इसी तरह से श्री जसदेव सिंह संधू जो 1987 में पहली बार संयुक्त पंजाब विधान सभा के सदस्य बने वे अच्छे पढ़ लिखे इंसान थे और पंजाब में राज्य मंत्री भी रहे उनके निधन से

भी मुझे गहरा दुःख हुआ है, कैप्टन हवा सिंह जो इस दे 1 के वीरसैनिक थे, दे 1 के लिए तीन लड़ाईया लड़ी और खेल जगत में भी उन्होंने दे 1 की आन, मान और भान को ऊंचा किया। मुक्केबाजी में उन्होंने गोल्ड मैडल जती था इस तरह से एक वीर सैनिक और खिलाड़ी की मौत से मुझे गहरा दुःख हुआ है, भगवान उनके परिवार को को यह दुःख सहन करने की ताकत दे। इसी तरह से हमारी विधानसभा के उपाध्यक्ष श्री गोपी चंद गहलोत के चाचा श्री भोर गहलोत , चौधरी बंसी लाल जी की माता श्रीमती धापा देवी, विधायक रामकिान जी के छोटे भाई उदयभान, हरियाणा विधान सभा के सदस्य श्री जरनैल सिंह के पिता श्री हाकम सिंह और चौधरी भजन लाल जी ने जो भी नाम रखा उनके निधन पर मुझे गहरा दुःख है। इसी तरह से 20 मार्च, 2000 और 2 अगस्त, 2000 को जम्मू क मीर और हिमाचल में प्राकृतिक आपदा और उग्रवादियों द्वारा काफी लोग मारे गये, ने केवल जान-माल का ही नुकसान हुआ बल्कि इससे दे 1 को भी मुश्किल का सामना करना पड़ा। मैं परमपिता परमात्मका से प्रार्थना करूंगा कि इस दिवंगत आत्मों को भांति प्रदान करे और इनके परिवार के सदस्यों को यह दुःख सहन करतने की भावित प्रदान करें। इसके अतिरिक्त इस माननीय सदन के जिन-जिन माननीय सदस्यों ने जो-जो नाम इस भाोक प्रस्ताव में रखे है। उनके परिवारों के प्रति भी यह सदन श्रद्धांजति अर्पित करता है ओर मैं सभी से प्रार्थना करूंगा कि सभी 2 मिनट के लिए खड़े होकर इन दिवंगत आत्मों की भांति के लिए मौन धारण करे।

(इस समय सदन में उपस्थित माननीय सदस्यों ने दिवंगत आत्माओं की भाति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया।)

## तारांकित प्र न एवंउत्तर

श्री अध्यक्ष: मैम्बर साहेबान, अब सवाल होंगे।

### **Installation of Sugarcane Weigh Bridge**

**45. Sh. Ram Kumar Katwal:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to install the sugarcane weigh bridge in the Village Mundh, Ardana and Bahri; if so, the time by which the said sugarcane weigh bridge is likely to be installed?

सहकारिता मंत्री (श्री करतान सिंह भडाना): जी नहीं, श्रीमान।

श्री राम कुमार कटवाल: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि ये जो तीन गांव मुंड, अरडाना तथा बाहरी है, ये पहले जिले में पड़ते थे। बाद में ये करनाल में शामिल कर दिए गये। 1987 में जब तारु देवी लाल जी की सरकार थी, उस समय इन गांवों में कांटा नहीं लगने दिया। अध्यक्ष महोदय, इन गांवों में 100 एकड़ भूमि पर गन्ना बोया जाता है। इसलिए मेरा मंत्री जी से निवेदन है कि वहां पर



एक कांटा लगवाय जाए, वे लोग अब अलेबा में अपना गन्ना डालने के लिए जात`है।

**श्री अध्यक्ष:** कटवाल साहब, आप कौन सी भूगर मिल में गन्ना पहुंचवाना चाहते है?

**श्री राम कुमार कटवाल:** अध्यक्ष महोदय, हम इन गांवों के किसानों का गन्ना जींद भूगर मिल में पहुंचाना चाहते है। क्योंकि करनाला वहां से 48 किलोमीटर है। जो कि ज्यादा दूर पड़ता है।

**श्री करतान सिंह भडाना:** अध्यक्ष महोदय, ये तीनों गांव कोई भी कंडी न पूरी नहीं करते। सरकारी हिदायतों के मुताबिक कम से कम 40000 क्विंटन गन्ना होना चाहिए। दूसरी कंडी न यह है कि 5 किलोमीअर से कम दूरी पर नजदीकी स्थापित केन्द्र नहीं होना चाहिए ओर पक्की सड़क होनी चाहिए। ये गांव कोई भी कंडी न पूरी नहीं करते हैं

### **Ban on Recruitment**

**7. Capt. Ajay Singh Yadav:** Will the Minister for Finance be pleased to state—

(a) Whehter the state Government has imposed any ban on all new recruitment in the state; if so, the reasons thereof; and

(b) Whether the vacancies which are lying vacant for more than one year or above have been abolished in various Government Department; if so, the reasons thereof?

**वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह):**

(क) राज्य सरकार द्वारा, योजनेत्तर खर्च को नियन्त्रित करने के लिए आवकता के आधार पर चुनिंदा नई भर्ती की जा रही है।

(ख) भाग (क) में दिए गये उत्तर में दिये गये कारणों के दृष्टिगत दिनांक 29.02.2000 के दो वर्ष से अधिक समय से रिक्त चले आ रहे पदों को समाप्त कर दिया गया है।

**कैप्टन अजय सिंह यादव:** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने अपने जवाब में यह कहा कि सिलैक्टड बेसिज पर भर्ती कर रहे हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि इन्होंने सिलैक्टड बेसिज पर भर्ती करने का क्राइटेरिया रखा हुआ है और सरकार ने जो टोटल बैन लगाया था वह डिफरेंट कैटेगरी वाइज किन-किन पोस्टों पर और किस तारीख से लगाया है? इसके अलावा कितनी पोस्टें ऐसी हैं जो बैन के दौरान अबोली की गई हैं? खास तौर से एस0सी0/बी0सी0 की कितनी पोस्टें हैं जोकि अबोली की जा चुकी हैं?

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, जैसा कि इन्होंने कहा किस तारीख से बैन लगा है, किन पोस्टों पर समाप्त कर दिया

गया है, इस बारे में मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जहां तक पोस्टों की समाप्ति का सवाल है। वह अब की बार ही नहीं बल्कि पुराने रिकार्ड को भी देख लें कि अलग-अलग समय में दिनांक 26.05.83, 01.05.92, 05.07.96, 26.08.96, 02.04.99, 29.04.99 को जब-जब भी इकोनॉमिक मैयजरज लिये गये हैं तो पोस्टों पर बैन लगा है। और आवृत्तता अनुसार भर्ती का मतलब यह होता है कि अनावृत्त पदों को न भरा जाए जैसे कि विभागाध्यक्ष कई बाद दैनिक वेतन पर या 89 दिनों के लिए भर्ती कर लेते थे जिसका कारण रवैन्यू रिसीट में नोन-प्लान का एक्सपेंडचर बढ़ता-बढ़ता 60 प्रतिशत तक चला गया है अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश के प्रति हजार व्यक्तियों में 16 एम्पलाइज है जो कि कन्ट्री लैवल पर हाएस्ट है जबकि यू0पी0 में प्रति हजार व्यक्तियों में केवल 4 एम्पलाइज है जो कि देश में लोएस्ट है। हमने इस कारण से भी बैन नहीं लगाया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार अपने के बाद जब हमने देखा कि पिछली सरकार के दौरान हस्पतालों में जो नर्सिज या स्टाफ हड़ताल पर गये उनको जेलों में डाल दिया गया, उनको मार-पीटा गया। उनको सर्विस से डिसमिस कर दिया गया। ऐसे 2500 मुलाजिम तथा चुंगी समाप्त होने से सरपलस हुए 4100 मुलाजिमों को यानि कुल 6600 मुलाजिमों को हमने एडजस्ट किया। इसके अलावा एक्स-ग्रैंटिया के हजारों केसिज ऐसे थे जिनमें एम्पलाईज की डैथ हो चुकी थी और उनके फैमिली डिपेंडेंट्स को एक्स-ग्रैंटिया के तहत सर्विज नहीं दी जा रही थी। हमने इसलिए बैन लगाया ताकि इनकी भी

भर्ती की जा सके। स्पीकर सर, इन लोगों को तो हमारी सरकार को ऐप्रीं गेट करना चाहिए कि जो कर्मचारी पिछली सरकार ने निकाल दिए हमने उन्हें एडजस्ट किया। बैन लगाने के बाद जो पोस्टें समाप्त की गई है उनकी संख्या केवल 5419 है जो कि बहुत कम हैं स्पीकर सर इसके अलावा फाइनेंस डिपार्टमेंट ने कुछ पोस्टों की भर्ती के लिए श्री रिलैक्शन दी है जैसे कि एजुकेशन डिपार्टमेंट, हेल्थ डिपार्टमेंट, टेक्निकल डिपार्टमेंट या फिर यूनीवर्सिटी के प्रोफ़ेसर वगैरह, जिने बर्गर काम नहीं चालता है। इसी प्रकार से लॉ एण्ड आर्डर मैन्टेन करने के लिए पुलिस की भर्ती के लिए रिलैक्शन दी गई है इस तरह से कुल मिलाकर 16532 पदों को भरने के लिए छूट दी गई। 16532 पोस्टें भरने के बारे में प्रोसेस चल रहा है। इसके बारे में मैंने आपको पहले ही बता दिया है।

**कैप्टन अयज सिंह यादव:** स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि एस0सी0 ओर बी0सी0 कितनी पोस्टें अबोलि की है और इन कैटेगरीज का बैकलाग कितना है? दूसरा मेरा सवाल यह है कि इन्होंने जिन 16532 पोस्टें भरने के बारे में बताया है ये पोस्टें कितने समय में भरने का कार्यक्रम है?

**प्रो० सम्पत सिंह:** स्पीकर साहब, इन पोस्टों को भरने का कार्यक्रम चल रहा है। एजुकेशन डिपार्टमेंट में जी0बी0टी0, पी0टी0आई0, संस्कृत और दूसरी पोस्टों के इन्टरव्यू हो चुके हैं

अज्ञैर उन पोस्टों को भरने ` लिए प्रोसैस चल रहा हैं अभी कुछ दिन पहले हरयाणा स्टाफ सिलैक्टान कमी तान भी नहीं था अब वह भी कोर्ट के आदे त पर रिकांस्टीच्यूट कर दिया गया हैं वह भी कैटेगरी वाइज पोस्टों के लिए एप्लीके तंज इनवाइट करेगा और उसके बाद इन्टरव्यू ले कर कैडीडेट्स सिलैक्ट करेगा। इसके अलावा अपने रिजर्व कोर्ट के बारे में प्दो है। यह इस सवाल से संबधित नहीं हैं इसके लिए आप सैपरेट नोटिस दे, आपको जवाद दे, दिया जाएगा।

**श्री रघुवीर सिंह कादियान:** अध्यक्ष महोदय, माननीय वित्त मंत्री जी ने सवाल का जवाब दिया है—

“(a) In order to control non-plean expenditure, new recruitment are being made by the state Government only selectively on the basis of necessity.

(b) The posts lying vacant for more than two years, as on 29-02-2000, have been abolished in view of the reasons given in the reply to part (a)” परन्तु हमारे सादन वित्त मंत्री जी को जो बजट स्पीच थी उसमें इन्होने कहा था.....

**श्री अध्यक्ष:** आप सवाल पूछे।

**श्री रघुबीर सिंह कादियान:** स्पीकर साहब, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। बजट स्पीच में जो फिसकल मैनेजमेंट का हैडिंग है उसमें इन्होने कहा था—

“Downsizing the Government by abolition of vacant posts, ban on fresh recruitment.....”

परन्तु जो सवाल का जवाब दिया है उसमें इन्होंने कहा है कि सिलैक्टिवली ऑन दि बेसिस ऑफ नैसेफिटी, रिक्रूटमेंट कीह जा रही है बजट स्पीय में इन्होंने लैक्टिव बसेसिज कही पर भी मैन इन नहीं किया। मैं इनसे जाननाचाहता हूं क इनमें से कौन सी स्टेटमेंट ठीक है। मेरा दूसरा सवाल यह है कि जो दो साल से पोस्टें एगजिस्ट कर रही है, उसमें भरने का क्या क्राइटेरिया है?

**प्रो० सम्पत सिंह:** स्पीकर साहब, नई रिक्रूटमेंट पर बैन के बारेमें मैंने पहले ही बता दिया है हमने अननैसेरी रिक्रूटमेंट पर बैन लगया था इसके अलावा दो साल से जो पोस्टें खाली पड़ी है उनके बिादे में भी इनको बता दिया गया है जहां तक एम्पलायमेंट की बात है यह केवल गवर्नमेंट जौब से ही पूरी नहीं हो सकती। जब से चौधरी औम प्रका । चौटाला के नेतृत्व में मौजूदा सरार बनी है हमारे प्रदे । में ऐसी पालिसीज बनाई जो एम्पलायमेंट से जुडे हुई है। चाहे वल पालिसी एजुके ।न डिपार्टमेंट की है, चाहे वह आई०टी०आई० की है, चाहे वह हैल्थ डिपार्टमेंट की है, चाहे वह पुलिस डिपार्टमेंट की है, सभी पालिसीज एम्पलायमेंट से जुड़ी हुई हैं कई पालिसी ऐसी है जो जौब ओरिएंटीडा हैं उनसे नौजवानों का रोजगार मिलेगा। हरियाणा प्रदक । में नई इंडस्ट्रीयल पालिसी लागू होने के बाद

जो नई प्रोजेक्ट प्रोजेक्ट है। उसमें 15 हजार करोड़ रूपय की प्रोजेक्ट हैं वह प्रोजेक्ट अंडर कंसिडरेशन है। तीन हजार 869 करोड़ रूपय की इनवैस्टमेंट के मैमोरैंडम पर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया के साथ साईन हो चुके हैं इससे 22 हजार 147 लोगों को एम्प्लायमेंट मिलेगी। स्पीकर साहब, इस साल के दौदान इण्डस्ट्रीज सेक्टर में 12 हजार 408 जॉब दिए गए हैं जब से हमने आईटीआई पालिसी बनाई है उसके बाद से सारे वर्ल्ड से इण्डस्ट्रीज लगाने का झुकाव हरियाणा की तरफ हो रहा है। हमारे यहां पर इण्डस्ट्रीज के अन्दर सरकार की तरफ से कोई इन्टरफियरेंस नहीं है मुझे बातने हुए यह फख हो रहा है आने वाले 5 सालों के अन्दर 5 लाख के लगभग लोगों के लिए एम्प्लायमेंट जनरेट होगी।

**श्री भगवान सहाय रावत:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इस सरकार के आने के बाद विभिन्न पदों पर अलग-अलग कैटेगिरीवाइज कुल कितनी नियुक्तियों की गई है?

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय साथी को बताना चाहूंगा कि 16 हजार 532 पोस्टे भरने का मामला अण्डर प्रासैस है। 2500 करीब नियुक्तियों हम कर चुके हैं। इसी प्रकार से म्यूनिसिपल कमिटीज का सरप्लस स्टाफ जो 4100 के करीब था उसको भी हमने एडजैस्ट किया है, वह भी नियुक्तियों में आता है। इसी प्रकार से बहुत सारी पोस्टों को भरने का काम मामला एच०पी०एस०सी० और सबोडीनेट सर्विस सिलैब इन

कमी इन के पास अंडर प्रौसेस है। हमने एग्जैक्ट कितनी नियक्तियों अब तक ही है। इस संख्या के बारे में इस समय बताना सम्भव नहीं है।, ये इसके लिए अलग से नोटिस देकर सवाल पूछ ले, जवाब दे दिया जाएगा।

**श्री धर्मवीर सिंह:** अध्यक्ष महोदय, अभी वित्त मंत्री जी ने सदन में बताया कि आने वाले 5 साल के दौरान हरियाणा में 5 लाख लोगों को एम्पलाएमेंट देने के लिए पोस्टे जनरेट होगी ओर 15-16 हजार करोड़ रूपये की इन्वैस्टमेंट होनी वाली है। मैं आपके माध्यम से जानना चाहूंगा कि ये साथ ही साथ यह भी बता दे कि इनकी सरकार आने के बाद इनके डण्डे के जोर से कितनी इण्डस्ट्रीज हरियाणा से बाहर चली गई है?

**प्रो० सम्पत सिंह:** मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार के आने के बाद कोई इंडस्ट्रीयज हरियाणा से बाहर नहीं गई। (विधन) जब आप चौधरी भजन लाल के साथ थे तो उस वक्त आपके समय में ऐसा होता था। हमारे समय में कोई इंडस्ट्रीज बाहर नहीं गई। आज हरियाणा के अन्दर इंडस्ट्रीज एटमोसफीयर बहुत अच्छा हैं यहां का इन्वायरमेंट बहुत अच्छा है। यहां पर दिन-प्रतिदिन नई-नई इंडस्ट्रीज आ रही है। 15-15 हजार करोड़ रूपये की इनवैस्टमेंट लोग करने के लिए तैयार हैं अब तक 4 हजार करोड़ रूपये के मैमोरेण्डम तैयार हो चुके हैं यहां एक एटमोसफीयर अच्छा है। तभी तो लोग यहां पर



इंडस्ट्रीज लगा रहे है। वे बावले तो नही कि बिना यहां का एटमोस्फीयर अच्छा हुए यहां पर अपनी इनवैस्टमेंट करेगे।

### **Repair/Construction of Roads in Jhajjar Constituency**

**60. Sh. Daryao Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state the total number of roads repaired and constgucted in Jhajjar Constituency during the period from July, 1999 to date together with the amount speant thereon, separately?

**मुख्य संसदीस सचिव (श्री रामपाल माजरा):** झज्जर निर्वाचन क्षेत्र में, जुलाई , 1999 से अब तक 94.06 किलोमीटर लम्बाई की 37 सड़कों की 56.08 लाख रूपये की लागत से मुरम्मत की गई हैं इस अवधि के दौरान इस निर्वाचन क्षेत्र में कोई नई सड़कें बनी है। और पिछली सरकार के समय में कितनी सड़कें बनी थी? यानी किस सरकार के दौरान झज्जर जिले में सड़कों पर अधिक काम हुआ है।

**श्री राम पाल माजरा:** स्पीकर सर, जहां तक माननीय साथी ने यह प्र न रेज किया हैं तथा पिछली सरकार का लेखा जोखा मांग है।, लेकिन इस सिलसिले में इस तरीके का वर्णन मिलता हैं श्री दरियाव सिंह को वहां की सड़कों को गारे में ज्यादा पता होगा कि वहां पर तो सड़कों पर खड्डे खुदे हुए थे और आने-जाने को कोई भी रास्ता नही था। हमारी सरकार ने थोड़े से अरसे में 3 सड़के नई भी बनाई है। झज्जर से तलाव, सिलानी

से भाहीदी सड़क, खातीवास से गवालीसन। इसी प्रकार से माकीटिंग बोर्ड ने सिलानी गेट से बादली बरास्ता झज्जर और छप्पार से सुबाना की सड़कों को कार्यय पूरी प्रगति पर है। (विधन) अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में सड़कों की मुरम्मत का कोर्ट गाम नहीं हुआ च्जेध्जश्रभ छथश्रयज्ञठ थस्।ळ ज्भ वज्ञै ठस् ब्जत् वज्ञ भी इल्म है। कि झज्जर से रोहतक सड़के पर पिछली सरकार के समय में कितने खड्डे खुदे हुए थे ओर उस सड़के पर लोगों को आने जाने में कितनी दिक्कत का सामना करना पडद्य रहा था क्योंकि आने-जाने का कोई भी रास्ता नहीं था। इनके लिए और भी ज्यादा खुशी की बात यह है। कि रोहतक से झज्जर सड़क पर 2 करोड़ 52 लाख रूपये की लागत से 23 किलोमीटर लम्बरी सड़क का काम युद्धस्तर पर भुरू हो चुका है। (विधन एवं भाोर)

**श्री दरियाव सिंह:** अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी, जो और सड़के बनी है। उनके बारे में बताना भूल ही गए हैं खखाना से जहाजपुर सड़क बानी उसे बारे में नहीं बताया इसी प्रकार से छूछकवास से बम्बूलिया तक प्रैस की सड़क बनी। (विधन) मैंने प्रश्न यह पूछा है कि पिछली सरकार के समय में जो सड़के बनी थी उन पर कितना पैसा लगा था और अब तो इस सरकार के समय में सड़के बनी है। उन पर कितना पैसा लगा था और अब जो इस सरकार के समय में सड़के बनी हैं उन पर कितना पैसा लगा है और किन-किन सड़कों की मुरम्मत का कार्य किया गया है? (विधन)

श्री रामपाल माजरा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी तथा हाउस को यह बताना चाहूंगा कि पिछली सरकार की रिपोर्ट तो निल ही है। (विधन)

### **Opening of Civil Hospital**

**85. Sh. Bhag Singh:** Will the Minister of state for Health be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to sanction Civil Hospital in Uchana Constituency; if so, the details thereof?

स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डा० मुनी लाल रंगा) : जी नहीं।

श्री भाग सिंह: उचाना में जनरल अस्पताल बनाने बारे क्या सरकार विचार करेगी?

डा० मुनी लाल रंगा: अध्यक्ष महोदय, जैसा कि सम्मानित सदस्य ने उचाना में सामान्य अस्पताल के बारे में पूछा है, इस बारे में मैं आपसे माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार को उचाना में जनरल अस्पताल बनाने का कोई विचार नहीं है वहां पर ऑलरेडी 1995 से सी०एच०सी० काम कर रहा है ओर वहां पर 30 बेड्स है। एस०एम०ओ० के अतिरिक्त वहां पर 4 डाक्टर और निचले स्तर का सारा स्टाफ लगा हुआ है इस सबसिडियरी हेल्थ सेंटर के नीचे 3 प्राइमरी हेल्थ सेंटर तथा 22 सब सैटर्ज 44 गांवों की सेवा कर रहे हैं ओर उनको वाछित इलाज मुहैया करवा रहे हैं।

**श्री भागी सिंह:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से स्वास्थ्य मंत्री जी से कहना चाहता हूँ कि वहाँ पर बहुत बड़ी बिल्डिंग है जाहें पर 100 बिस्तर का अस्पताल खोला जा सकता है। उस बिल्डिंग की चारदीवारी का काम भी होने वाला है। उसको पूरा करके वहाँ पर अस्पताल बनाया जा सकता है।

**डा० मुनी लाल रंगा:** अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मैंने पहले बताया है कि वहाँ पर जनरल अस्पताल बनाने की कोई परपोजन नहीं वहाँ पर एवरेज 6 मरीज रोज आते हैं और वहाँ पर 30 बिस्तर का अस्पताल पहले ही है जहाँ तक डाक्टरों को ताल्लुक है, वहाँ पर चार डाक्टर लगे हुए हैं तथा लैब टैक्नीशियन, फार्मसिस्ट, स्टाफ नर्स और दूसरा सारा स्टाफ वहाँ पर लगा हुआ है और लोगों को ठीक स्वास्थ्य सेवाएं वहाँ पर उपलब्ध करवाई जा रही हैं जहाँ तक चार दीवारी का ताल्लुक है, उसका काम भी करवा दिया जाएगा।

**श्री जय प्रकाश:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी को यह बताना चाहूँगा कि चुनावों के दौरान जब मंत्री जी उचाना गए थे तो उन्होंने उचाना से सिविल अस्पताल बनाने की बात कही थी। इस वक्त मेरे पास रिकार्ड तो अवेलेबल नहीं हैं इसके साथ ही मंत्री जी ने यह बात कही है कि वहाँ पर मरीज बहुत कम आते हैं तो मैं आपके माध्यम से उनको यह बताना चाहूँगा कि मरीज कम आने का कारण भी सरकार ही है। क्योंकि वहाँ पद दवाईयों मरीजों के नहीं मिलती बलिक दवाईयों बाजार में

बेच दी जाती है। और प्राईवेट डाक्टरों के पास इलाज करवाने के लिए लोगों को जाना पड़ता है और प्राईवेट डाक्टरों की प्रैक्टिस वही पर खूब चल रही है। (विधन एवं भाोर)

**श्री अध्यक्ष:** यह बहुत अच्छी बात है। कि वहां पर मरीज नहीं आ रहे हैं

**श्री जय प्रकाश:** अध्यक्ष महोदय, वे मरीज इसलिए नहीं आ रहे हैं। क्योंकि वहां पर प्राईवेट नर्सिंग होम खुले हुए हैं। हमारे डाक्टर ठीक नहीं हैं इसलिए वे प्राईवेट नर्सिंग होम में इलाज के लिए जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, चीफ मिनिस्टर साहब, ने उचाना में मीटिंग करके कहा था कि वहां पर सिविल हॉस्पिटल बनवाएंगे, उसको अपग्रेड करवाएंगे। अब मंत्री जी जहां पर कह रहे हैं कि वहां पर छ— मरीज ही आते हैं। अध्यक्ष महोदय, लोग प्राईवेट नर्सिंग होम में इलाज के लिए जा रहे हैं ( गोर एवं व्यवधान)

**मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा सदन के सभी सम्मानित सदस्यों को विशेष रूप से आग्रह करूंगा कि इस सदन का समय बहुत बहुमूल्य है यहां पर अनर्गल, बेसलैस और निराधार बातें करके सदन का समय खराब न किया जाए। माननीय सदस्य ने मुख्य मंत्री का नाम लेकर प्रश्न पूछा। यह निराधार और बेसलैस प्रश्न हैं मैंने ऐसी कोई सभा उचाना में नहीं की जिसमें मैंने यह कहा हो। मैं विरोधी पक्ष

के नेता से कहूंगा कि वे अपने सदस्यों को समझाएं कि इस तरह से बेसलैस, अनर्गल और निराधार बातें कह कर सदन को समय नष्ट न करें (विधन)

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने जो बात कही है यह ठीक नहीं है। इनको मैम्बर को कंडम नहीं करना चाहिए। इनको तो मैम्बर के सवाल का जवाब देना चाहिए कि मैंने ऐसी बात नहीं कही है। इनको मैम्बर को कंडम नहीं करना चाहिए कि मैम्बर अनर्गल बात कह रहा है ( गोर एव व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला:** अध्यक्ष महोदय, कोई भी प्रश्न पूछते वक्त अनर्गल बात कही जाएगी तो उनको अनर्गल ही कहा जाएगा। धर्मवीर ने जो प्रश्न पूछा उनको प्रश्नानुसार पूछने का तरीका ठीक था। (हंसी) कितने उद्योग धन्धे हरियाणा से चले गये। (विधन) उनका निगम कही और था, उनका निगम पिछली सरकार के वक्त को लेकर था, हमारे वक्त में तो बहुत से उद्योग लगे हैं लेकिन जय प्रकाश जी जो पूछ रहे हैं वह बिल्कुल अनर्गल बात पूछ रहे हैं मैंने ऐसी कोई सभा नहीं की है जिसमें यह बात कही हो यह बिल्कुल बेसलैस और निराधार बात कर रहे हैं।।

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी को कहना चाहूंगा कि आप मैम्बर के सवाल का जवाब दें और आपके उनके सवाल का जवाब देना चाहिए। आपको

यह नहीं कहना चाहिए कि वे अनर्गल, बसेलैस बात कर रहे हैं  
( गोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** जय प्रकाश जी, आप बिना इजाजत के मत  
बोले।

**श्री जय प्रकाश:** अध्यक्ष महोदय, मरी पर्सनल  
एक्सप्लेन है। \* \* \* \*

**श्री अध्यक्ष:** जय प्रकाश जी जो भी बोल रहे हैं वह  
कुछ भी रिकार्ड नहीं किया जाए। ( गोर एवं व्यवधान) यह  
कवै रचन ऑवर है। इसमें पर्सनल एक्सप्लेनेशन नहीं होती  
इसलिए आप अपनी-अपनी सीटों पर बैठे। ( गारे एवं व्यवधान)

**श्री ओम प्रकाश चौटाला:** अध्यक्ष महोदय, इनको सदन  
में बिना मतलब और बिना बात के बीच में ही खड़े होकर अनर्गल  
बात नहीं करनी चाहिए। मैं इस बात को फिर से दोहरता हूँ। कि  
एम0एल0ए0 का यहां पर अपनी बात कहने का अधिकार है लेकिन  
इनकी यह बात निराधार और बेसलैस है कि मुख्यमंत्री ने हास्पिटल  
बनाने की घोषणा की थी। इनका यह कहना ठीक नहीं है इनकी  
यह बात निराधार है ( गोर एवं व्यवधान)

**श्री अध्यक्ष:** जय प्रकाश जी आप बैठे।

**श्री जय प्रकाश:** अध्यक्ष महोदय, \* \* \*

श्री अध्यक्ष: जो अब ये बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए। ( गोर एवं व्यवधान)

**Number of cases registered under Prohibition Policy**

**\*148 Sh. Ram Bhagi:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The total number of cases registered against the defaulting persons during the period of enforcement of Prohibition Policy in the state together with the number of persons arrested in this connection along with the total quantity of liquor seized under the said policy;

(b) Whether any cases, out of the cases referred to in part (a) above, have been withdrawn due to the change in policy; if so, the number thereof; and

(c) Total number of vehicles purchased/got registered by the Prohibition Department during the period from the year 1995 to 1999?

मुख्य संसदीय सचिव (श्री रामपाल माजरा): इस सम्बन्ध में तारांकित प्र न संख्या 148 का उत्तर निम्न प्रकार से है:—

(क) राज्य में मद्यनिशेध नीति के लागू होने की अवधि के दौरान दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध दर्ज मामलों की कुल संख्या 102340 थी तथा इस संबंध में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की संख्या 113641 थी। इन व्यक्तियों से 1053453 लिट्रि भागाब की



बोतले, 347971 किलोग्राम लाहन, 39700 बीयर की बोतलें तथा 3142 चलती भट्टिया जब्त की गई।

(ख) उपरोक्त दर्ज मामलों में से अक्टूबर 1999 को 64165 मामले लम्बित थे उसमें से सरकार की नीति के अनुसार 37320 मामले वापस लिये जाने थे जिसमें से 24778 मामले 8 अगस्त, 2000 तक अदारल से वापस लिए जा चुके हैं।

(ग) वर्ष 1995 से 1999 तक की अवधि के दौरान मद्यनिशोध विभाग द्वारा कुल 47 (17 कारें, 30 जीपें) वाहन खरीदे/पजीकृत करवाए गये।

**श्री राम भगत:** अध्यक्ष महोदय, तत्कालीन मुख्यमंत्री और उस समय की सरकार ने जो मद्यनिशोध नीति लागू की थी उससे हरियाणा के इतिहास में एक काला अध्याय जुड़ गया था क्योंकि इससे हरियाणा की जनता का ठीकाण होता रहेगी। इस विषय में मैं एक दो सवाल आपके माध्यम से मंत्री जी से या मुख्यमंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि मद्यनिशोध नीति लागू होने के कारण जो इस प्रदेश के युवक अपराधीकरण के ठीकाण हुए थे। उसे लिए कौन दोशी है। मेरा दूसरा सवाल यह है कि इस अपराधीकरण के ठीकाण हुए उसके लिए कौन दोशी हैं? मेरा दूसरा सवाल यह है कि इन अपराधीकरण हुए युवकों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार क्या कर रही है?

**श्री रामपाल माजरा:** अध्यक्ष महोदय, सरकार ने सर्वप्रथम इस तरह के गुमराह हुए उन नौजवान को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए यह क्रांतिकारी काम किया है कि सरकार ने उन पर बनाए हुए मुकदमे वापस लेने का फसला लिया है ताकि जो नौजवान जेलों में पड़े हुए थे उनको छोड़ा जा सके। जिससे वे भी आकर समाज की मुख्य धारा में भामिल हो सकें और उसके भी तनी फसिज बनाए गए। प्रथम जानीवरी 1999 में एक हजार रूपये पर बोटल स घटाकर 100-200 करने से कोई विशेष लाभ नहीं हुआ, उसके बाद 12.07.99 को फौजियों को 12 बोटले रखन तक के मामलों में उनके विरुद्ध बनाए गए केस वापस लिए गये, तत्पश्चात् 14.10.99 को 4 बोटलें भाराब और 12 बोटले बीयर की रखने पर केस वापस लेने का निर्णय लिया गया जिससे इस प्रकार के 21740 केस पाए गये इसके पश्चात् 06.01.2000 को 12 बोटले भाराब और 36 बोटले बीयर रखने के केस वापस लेने का निर्णय लिया गया। जिसके अन्तर्गत 17369 केस आते हैं इस प्रकार कुल 64165 केसिज में से 26845 केसिज इस तरह के आए जिनको सरकार ने वापस न लेने का निर्णय लिया जो कि 12 बोटले से अधिक भाराब रखने या चलती हुई भट्टियों के है।

**श्री अभय सिंह:** स्पीकर सर, प्रौहिबिशन के दौरान सत्तासीन राजनीतिज्ञों, प्रशासनिक अधिकारियों व भाराब तस्करों के बीच में जिस तालमेल के साथ करोड़ों रूपये अनुचित तरीके से

कमाए गये, उसके लिए सरकार ने क्या कोई कमी तान बैठाया है, यदि हां तो उसकी रिपोर्ट कब तक आएगी?

**श्रीराम पाल माजरा:** स्पीकरसर, यह ठीक है कि हरियाणा प्रदे 1 में इस प्रकार का ताना बना था, एक म्यूचुअल ऐप्रीसिए तान थी, माफिया की, पौलिटिकल लोगों की ओर असरदार लोगों की। इस ताने बाने को बेनकाब करने के लिए इस सरकार ने सर्वप्रथम चैहल आयोग बनाया और उसको एक जिम्मेदारी दी कि हर मुद्दो का बारीकी से अध्ययन करके रिपोर्ट दे, ज्यो ही यह रिपोर्ट आएगी, हरियाणा प्रदे 1 के उन राजनीतिज्ञों के चेहरे बेनकाब हो जाएंगे।

**श्री कृष्ण लाला पंवार:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि भाराबबंदी के दौरान जहरीली भाराब पीने से कितने लोगों को मृत्यु हुई?

**श्री रामपाल माजरा:** मेरे साथी श्री कृश्या लाल पंवार ने एक बहुत ही अहम प्र न पूछा है जब हरियाणा प्रदे 1 में भाराब बंदी की और उस दौरान हरियाणा प्रदे 1 के लोग जो भी भाराब पीते थे उसके लो स्टैंडर्ड की होने की वजह से हरियाणा प्रदे 1 में 94 मौते हुई और मैं आपे समक्ष इसकी जिलावार डिटेल रखना चाहूंगा—यमुनानगर में 9 मौते हुई, कुरुक्षेत्र में 2, हिसार में 6, जींद में 11, फरीदाबाद में 5, करनाल में 7 व कुल योग 40 है। कई व्यक्ति अयोग्य भी हो गए—यमुनानगर में 1, कुरुक्षेत्र में 3, व

कुल योग 4 है। इसी प्राकर से गांव में कई ऐसे लोग हैं। जिनकी जहरीली भाराब पीने से मौत हुई, हरियाणा प्रदेश में अनेक प्रकार की कैजुएलिटी हुई और इस सारे मामले की जांच के लिए सरकार ने चैहल आयोग की स्थापना की है।

**श्री भगवान सहाय रावत:** अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्यमंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय जो भाराब बंदी की नीति 1996 में लागू की थी उसकी सफलता और असफलता के लिए कोई सर्वे कराया गया था कियों 1997 में समाचार पत्रों में पढा था कि एक प्राइवेट एजेंसी से सर्वे कराया गया था। उसकी वसतुसिगिति क्या है आरे उस सर्वे रिपोर्ट पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है?

**श्री रामपाल माजरा:** स्पीकर सर, रावत साहब ने बहुत ही अच्छा प्र न किया हैं प्रोहिबी न जुलाई, 1996 में लागू की गई थी। भाराब बंदी नीति की सफलता और असफलता की जांच करने के लिए दिसम्बर 1996 में डॉ० प्रमोद जी को यह काम सौंपा गया था और उन्होंने मार्च, 1997 में अपनी रिपोर्ट दे दी थी इस प्रकार के तथ्य उजागर किए थें जिस पर अनेक प्रकार की टिप्पणियों हुई थी और वे टिप्पणियों हरियाणा प्रदेश की तक्की के लिए हरियाणा प्रदेश के ताने बाने के लिए इस प्रकार की थी कि उस रिपोर्ट को दबा दिया गया और उसी सर्वे की रिपोर्ट में हरियाणा प्रदेश ने यह माना कि हरियाणा प्रदेश के 30 हजार नौजवानों को उस गर्त में धकेल दिया गया है। स्पीकर सर, उस

रिपोर्ट में यह बताया गया था कि बहुत से आदमी जो भाराब पीते हैं उनकी पत्नियां हरेती थी क्योंकि उनके आदमी पड़ोसी राज्यों में भाराब पीने जाते हैं। और कई तो वापस ही नहीं आते। और इस तरीके से हरियाणा प्रदेश को इसका नुकसान हुआ। (विधन) हरियाणा प्रदेश को भाराब बन्दी से 1400 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। (विधन)

**कैप्टन अजय सिंह:** अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी जवाब नहीं दे रहे हैं बल्कि ये तो भाषण दे रहे हैं

**श्री अध्यक्ष:** कैप्टन साहब, आप बैठ जाइये। माजारा साहब आप कंटीन्यू रखिए।

**श्री रामपाल माजरा:** स्पीकर सर, मैं उस सर्वे रिपोर्ट को पढ़ रहा हूँ जिसके कारण सामाजिक स्तर में गिरावट आई और उस समय की सरकार के समय में उसको दबा दिया गया था। उस रिपोर्ट में एक व्यक्तिगत स्वतंत्र प्रहार हुआ था इस बात का विशेष तौर पर उस सर्वे रिपोर्ट में उजागर हुआ था और जनता को अनेक प्रकार की परेशानियां हुई थी और माफिया का फैलाव हुआ था और इतना ही नहीं उस सर्वे रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि उस सर्वे रिपोर्ट आने के बाद सरकार को भाराबबन्दी को लिफ्ट कर देना चाहिए था परन्तु माफिया के दबाव में आकर उस भाराबबन्दी की नीति को कंटीन्यू रख गया। ( 10म— 10म)

**श्री मांगे राम गुप्ता:** अध्यक्ष महोदय, सदन में सरकार की तरफ से जो जवाब आया है उसमें मंत्री जी ने बड़े उत्साहपूर्वक कहा है कि बड़त्ते क्रांन्तिकारी कदम सरकार ने यह उठाये कि जो युवक भाराबबंदी के समय रास्ता भटग गए थे और माफिया ग्रुप में फंस कर जेलों से रिहा किया गया है लेकिन अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि आज हरियाणा में कितनी कानून-व्यवस्था खराब हुई है, कितने मर्डर हो रहे हैं आर लूट खसोट हो रही है? (विधन)

**श्रीअध्यक्ष:** गुप्ता जी, आप भाशण दें अपना क्वै चन पूछे ।

**श्री मांगे राम गुप्ता:** अध्यक्ष महोदय, आप मेरी बात तो सुनिए आज जो वारदातें हरियाणा में हो रही हैं, इनके बारे में माननीय मुख्यमंत्री जी बताये क्या ये वारदातें उन नौजवानों द्वारा तो नहीं हो रही हजो जेलों से रिहा किये गये थे? (विधन)

**श्री अध्यक्ष:** आप बैठ जाइये । (विधन) (इस समय कांग्रेस पार्टी के कई सदस्य अपने स्थान पर खड़े हो गये)

**श्री अमर सिंह ढांडे:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि भाराबबंदी की आड़ में हरियाणा में अपराध माफिया में कितनी बढ़ौतरी हुई है? ( गोर एवं व्यवधान)

**श्री रामपाल माजरा:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि भाराबबंदी के वक्त हरियाणा में 16 साल से 20 साल की आयु के नौजवानों ने तस्करी भुरु की। उन नौजवानों ने कवल तस्करी ही भुरु नहीं की बल्कि अच्छी गाड़िया भी खरीदी। उस वक्त रिकार्ड बताता है कि भाराबबंदी के समय लगभग 8000 जीपे, टाटा सुमों खरीदी गई तथा उसी रिकोर्ड में लिखा हुआ है कि माफिया के पास हमारी पुलिस से कही ज्यादा अस्त्र— अस्त्र, अच्छे साधन थे, जीपें, कारें टेलीफोन और मोबाईल थे। भाराबबंदी के समय हरियाणा प्रदे 1 के नौजवानों को जिस प्रकार अपराधी बनाया गया उससे हरियाणा प्रदे 1 को कितना नुकसान हुआ है इसको किसी प्रकार मापा नहीं जा सकता है। ( गोर एवं व्यवधान)

**Opening of Land Development Bank at Ambala Cantt.**

**91. Sh. Jasbir Singh Mallour:** Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to open a Cooperative Land Development Bank in Ambala Cantt; if so, the time by which the said bank is likely to be opened?

**सहकारिता मंत्री (श्री करतान सिंह भडाना):** नहीं, श्रीमान जी।

**श्री जसबीर सिंह मलौर:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सहकारिता मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि मेरे हल्के

नंगल और हल्का मुलाना के लगभग 60 गांव अम्बाला कैण्ट के पास पड़ते हैं। इन गांवों के लोगों को लोन लेने के लिए भूमि विकास बैंक अम्बाला भाहर आना पड़ता है जिस कारण उनको काफी दिक्कतों को सामना करना पड़ता है अगर अम्बाला कैण्ट में भूमि विकास बैंक खोल दिया जाए तो उस गांवों के लोगों को बहुत फायदा होगा। यह मांग लगभग 10 सालों से चली जा रही है मैं मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि अम्बाला कैण्ट में भूमि विकास बैंक खोलने का आ वासन दें ताकि किसानों की दिक्कत दूर हो सके।

**श्री करतार सिंह भडाना:** स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि वहां पहले से ही काफी बैंक खुले हुए हैं। और एक बैंक खोलने में काफी खर्चा आता है अगर किसी को किसी तरीके की सुविधा नहीं मिल रही है तो आप वह बताएं बाकी अम्बाला कैण्ट में भूमि विकास बैंक खोलने के नाम्स अभी पूरी नहीं होते इसलिए यह बैंक नहीं खोलना जा सकता।

### **Opening of Government College at Kaithal**

**131. Sh. Lila Ram:** Will the Minister of state for education be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Government College at Kaithal city; and



(b) If so, the time by which the said college is likely to be opened?

**शिक्षा राज्य मंत्री (श्री० बहादुर सिंह):**

(क) जी, नहीं।

(ख) (क) के दृष्टिगत, प्र न ही नहीं उठता।

**श्री लीलाराम:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार से प्रार्थना करना चाहूंगा कि कैथल ऐसा जिला हैडक्वाटर है जहां पूरे कैथल में एक भी सरकारी कालेज नहीं है। हजारों छात्र-छात्राएं 30-40 किलोमीटर दूर कालेज में पढ़ने जाते हैं। अगर कैथल के अंदर एक सरकारी कालेज बना दिया जाए तो वहां पर भी शिक्षा में सुधार हो सकता है।

**श्री० बहादुर सिंह:** अध्यक्ष महोदय, कैथल जिले में 9 कालेज हैं। जिनमें तकरीबन 8000 बच्चे पढ़ रहे हैं एक कालेज में तकरीबन 1000 बच्चे पढ़ते हैं इसलिए कैथल के अंदर अलग से कालेज बनाने की आवश्यकता नहीं है।

**श्री इंद्रजीत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से शिक्षा मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जब लोग निवेदन करते हैं कि हमारे भाहर में कालेज बना दिया जाए तो सरकार की तरफ से कहा जाता है कि आप कमरे बना कर दें तो हम वहां पर कालेज बनवा देंगे। कई जगहों पर कालेज बना दिये गये हैं लेकिन वहां पर कमरे नहीं हैं लेकिन कनीना भाहर के अंदर चौटाला साहब के

कहने के मुताबिक वहां के लोगों ने अपनी मेहनत की कर्मी से 24 कमरे बनवा दिए हैं लेकिन वहां पर अभी तक कालेज नहीं बनाया गया है क्या वहां पर भी कालेज बनाया जाएगा ताकि वहां के युवकों को भी शिक्षा का स्तर सुधर सकें।

**चौ० बहादुर सिंह:** अध्यक्ष महोदय, ऐसा कोई भी कालेज नहीं बनाया गया है। जाहां पर कमरे ने हों और कनीनाल के बारे में भी विचार कर लिया जाएगा कि वहां पर कालेज बनाना है। या नहीं।

**श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा:** अध्यक्ष महोदय, जैसे कैथल के बारे में कहा गया कि वहां पर सरकार का कालेज बनाने का कोई प्रपोजल नहीं है मैं शिक्षा मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि जहां जहां पर सरकार का प्रपोजल कालेज बनाने का है। इस बारे में बतायें

**श्री धीरपाल सिंह:** अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह जी सीनियर मोस्ट नेता है, ये एम०पी० भी रहे है। वह प्र न केवल कैथल के बारे में ही था। (विधन)

**श्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा:** अध्यक्ष महोदय, यह मुझे भी मालूम है कि यह प्र न सिर्फ कैथल से ही संबधित है। लेकिन पूरे सदन को भी मालूम हो जायेगा कि सरकार कहां कहां कालेज बनाना चाहती है।

**चौ० बहादुर सिंह:** अध्यक्ष महोदय, चौधरी भूपेन्द्र सिंह जील अपना सवाल अलग लिखकर दे दें, इनको जवाब दे दिया जाएगा।

### तारांकित प्र न संख्या 150

(यह प्र न पूछा नहीं गया क्योंकि इस समय माननीय सदस्य श्री कंवर पाल सदन में उपस्थित नहीं थे।)

#### **Construction of New Bus Stand, Faridabad**

**104. Sh. Krishan Pal:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of Government to construct a new bus stand in Sector-12, Faridabad, if so, the time by which the said bus stand is likely to be constructed.

**परिवहन मंत्री (श्री अ गोक कुमार):** श्री मान जी, फरीदाबाद के सैक्टर 12 में बस स्टैण्ड में बस स्टैण्ड बनाने के जिक्र किया है। इसके बारे में 28.05.97 को फरीदाबाद के महाप्रबंधक की रिपोर्ट मंहगाई गयी थी जिससे उन्होंने कहा था कि बस स्टैण्ड की बजाय एक बड़ा बस क्यू भौल्टर बना दिया जाए। इसके बाद इस संबंध में माननीय तत्कालीन परिवहन मंत्री श्री कृष्णपाल की अध्यक्षता में बोर्ड की मीटिंग हुई जिसमें निर्णय लिया गया था कि सैक्टर 12 में बस अड्डे के नजदीक है ओर लोगों की जरूरत पूरी करता है। आगे जैसे जैसे जरूरत बढ़ेगी तो इस डिमाण्ड को पूरा किया जाएगा।

**श्री भगवान सहाय रावत:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय, से जानना चाहूंगा कि हमारे आदरणीय मुख्यमन्त्रीजी ने सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत हथीन में बस अड्डा बनाने की घोषणा की थी उसे जल्द से जल्द पूरा कर दिया जाएगा।

**श्री कृष्ण पाल:** अध्यक्ष महोदय, यह सही है कि पिछली सरकार में सैक्टर 12 का बस अड्डा बनाने के लिए जगह तय हुई थी। और उसके लिए हुड्डा द्वारा जगह इयर-मार्क भी की गई थी। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी को बताना चाहूंगा कि फरीदाबाद महानगर में हर साल 7-8 फीसदी आबादी बढ़ जाती है और जो बल्लभगढ़ का बस स्टैण्ड है वह कब ना था और उसके बाद कितनी आबादी बढ़ गई है अध्यक्ष महोदय, यह तो आप भी जानते हैं। हुड्डा द्वारा जगह इयर-मार्क करके सरकार को रिकोमैण्डे इन भेज दी गई थी और यह बस अड्डा बनना भुरू होने वाला था, बोर्ड की रिपोर्ट भी उसके हक में थी तो मुझे नहीं समझ आ रहा कि वह रिपोर्ट कैसे बदल गई और यह बस अड्डा भुरू क्यों नहीं हुआ?

**श्री अध्यक्ष:** कृष्णपाल जी, आप सवाल पूछें।

**श्री कृष्णपाल:** सर, मैं सवाल ही पूछ रहा हूँ।

**श्री अध्यक्ष:** कृष्णपाल जी, आप सवाल थोड़ी पूछें रहें। आप तो जवाब दे रहे हैं।

**श्रीकृष्णपाल:** अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि सैक्टर 12 में बस अड्डा बनाना इसलिए जरूरी है क्योंकि वहां पर काफी आबादी बढ़ी है इसलिए क्या मंत्री महोदय बताएंगे कि यह बस अड्डा कब तक बना दिया जाएगा?

**श्री अ गोक कुमार:** अध्यक्ष महोदय, मैं अपने जवाब में पहले ही बता चुका हूँ कि यह विचारधीन है जहां तक लोगों की जरूरत की बात है। तो मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्य को बताना चाहूंगा कि जिस समय ये मंत्री थे इन्होंने अपने कार्यकाल में 32 क्यू भौल्टर बनवाये थे जिसमें से आज ज्यादातर क्यू भौल्टरों में या तो चाय की दुकानें खुली हुई है या फिर आवार प डू धूम रहे हैं हमारी सरकार लोगों की जरूरत के मुताबिक ही बस अड्डे या क्यू भौल्टर बनाएगीं

**श्री राजेन्द्र सिंह बिसला:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि श्री कृष्णपाल जी ने सैक्टर 12 बस स्टैण्ड बनाने के लिए जो सवाल किया है उससे पहले इस बात की जरूरत है कि बल्लभगढ़ के इर्द-गिर्द जो बहुत डिस्ट्री इंडस्ट्रियल बैल्ट है, वहां के लोगों की मांग है कि जो वहां पर बस स्टैण्ड के साथ एक वर्क टाप भी अटैच है अगर उसको पूरी तरह से ठीक करके एक अच्छा बस स्टैण्ड बना जाए तो लोगों की समस्या काफी हद तक दूर हो सकती है। जब मुख्य मंत्री जी वहां गये थे तो बल्लभगढ़ बस स्टैण्ड की एक्सटेंशन के सम्बन्ध में एक डैपूटे उन भी सी0एम0 साहब से मिला था क्या

मंत्री महोदय सदन को आवासन देगे कि वे पहले बल्लभगढ़ बस स्टैण्ड के ऐक्सटेंशन की मांग को पूरा करेगे?

**श्री अ. गोकुल कुमार:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि बल्लभगढ़ बस अड्डा 29.05.84 को बना था और 24.75 एकड़ भूमि इसके लिए अधिग्रहण की गई थी जिसमें से 16.75 एकड़ भूमि पर झुग्गी झोपड़ियां बसी हुई हैं और केवल 8 एकड़ लैंड में ही बस स्टैण्ड वर्क आप है। ये जो नाजायज कब्जे हैं इसके सम्बन्ध में पंजाब एण्ड हरियाणा हाई कोर्ट ने स्टेट आर्डर किए हुए हैं स्टेट आर्डर को वैकैट करवाकर हम जल्दी ही इस बारे में कार्यवाही पूरी करेगे।

### **Improvement in Medical Facilities**

**105. Sh. Anil Vij:** Will the Minister of state for health be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to improve the present position of medical facilities at Civil Hospital, Amabala Cantt. with financial assistance of European Commission; and

(b) If so, the details thereof

**स्वास्थ्य राज्य मंत्री (डॉ० मुनी लाल):**

(क) जी हा, सिविल सर्जन, अम्बाला से एक प्रस्ताव दिनांक 16.08.2000 को प्राप्त हुआ है, जो कि यूरोपियन कमीशन से वित्तीय सहायकता के लिए विचारधारी है

(ख) वित्तीय सहायता का यह प्रस्ताव विचारधीन हैं सरकारी अस्पताल, अम्बाला, कैण्ट की चिकित्सा सुविधाओं के प्रस्ताव का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:-

मूल्य सार (रूपए लाखों में) सामान्य अस्पताल, अम्बाला कैण्ट में  
मातृ एवं नवजात शिशु की देखभाल

		अक्टूबर -दिसम्बर	जनवर -मार्च	कुल मार्च तक	मार्च 2001 के बाद
<b>क. अपुनरावृत्ति</b>					
1.	नवीनीकरण सहित जनकार्य	20-0	50-0	70-0	120-0
2.	गांड़िया	0	4-0	4-0	
3.	चिकित्सा साजो सामान	5-0	10-0	15-0	45-0
4.	अचिकित्सा साजो समान	10-0	5-0	15-0	
5.	प्रशिक्षण व कार्य शाला	0-65	0-65	1-3	
6.	अन्य चिकित्सा साजों समान	1-0	1-0	2-0	
<b>ख. पुनरावृत्ति लागत</b>					

1.	ढेका आधार कर्मचारी की तनख्वाह	2-0	2-5	4-5	आव यक तानुसार
2.	वि ोशज्ञ	2-0	2-0	4-0	
3.	स्वास्थ्य कनज्यूमेबल	2-5	2-5	5-0	यथोचित
4.	अस्वास्थ्य कन्ज्यूमेबल	1-0	1-0	2-0	यथोचित
5.	गाड़ियोंव पेट्रोल	0-3	0-3	0-6	यथोचित
6.	भवन मरम्मत	0-5	0-5	1-0	यथोचित
7.	अन्य पुनरावृत्ति	1-0	1-0	2-0	यथोचित
	कुल लागत	45.95	80.45	126.4	165.00

**डॉ० मुनी लाल रंगा:** इसके अलावास्पीकर साहब, अम्बाला कैंट को जो सामान्य अस्पताल है। उसकी आधुनिकिकरण का प्रस्ताव सरकार के विचारधीन हैं जहां तक यूरोपियतन कमी ान की बात है। उनसे सहायकता के बारे में नवम्बर 1999 में कुफरी में पूरे भारत के सभी राज्यों का एम सम्मेलन हुआ था जिसमें यह विचार किया गया कि अस्पतालों को अपग्रेड करना है, आधुनिकिकरण करना हैं मुझे सदन को यह बताते हुए हर्शा हो रहा हौ। कि हरियाणा सरकार के प्रयासों से पूरे भारत में जहां पर 21 अस्पतालों का अधुनिकिकरण होना है उनमें हरियाणा प्रदेश के तीन अस्पताल अम्बाला कैंट, यमुनानगर और करनला



भाामिल है। जबकि पूरे गुजारात में एक मध्य प्रदे ा में एक और पंजाब में कोई नही है। जहां तक सहायता की बात ह, उसे लिए हमने जो एक ान प्लान बनाया था उसे बारे में अम्बाला जिला के उपायुक्त विधायक एम0पी0 वहां के एन0जी0ओज0 के साथी और वहां के जिहां तक सहायता की बात ह, उसे लिए हमने जो एक ान प्लान बनाया था उसे बारे में अम्बाला जिला के उपायुक्त विधायक एम0पी0 वहां के एन0जी0ओज0 के साथी और वहां के जिला पार्शदों के साथ बैठ कर यह विचार किया गया कि अस्पतालों का आधुनिकिरण कैसे किया जाए ओर उनसमें कहा-कहां पर कमी है? हमने यूरोपियन कमी ान के सामने यह रखा कि अस्पताल की बिल्डिंग बनाई जाए, उसमें पार्किंग की व्यवस्था की जाए, कैंटीन की व्यवस्था की जाए, वहां पर दवाईयों की दुकान की व्यवस्था की जाए, अटैंडैट्स के रहने के लिए लेबर रूमज की व्यवस्था की जाए या लेबर रूमज अपग्रेड किए जाएं और जहां तक सर्जरी की बात हैं उसके लिए ओ0टी0 की व्यवस्था की जाए, ओ0टी0 टेबल की व्यवस्था की जाए। इस तरह की सभी व्यवस्थाओं के लिए 2 करोड़ 91 लाख रूपये की राि ा खर्च करने का प्रस्ताव सरकार के पास आया हुआ हैं उसके बारे में सरकार की एक मिटिंग कर रहा हैं जिसमें अधिक से अधिक सहायता दे करके इन तीनों अस्पतालों को [आधुनिकिरण/नवीनीकरण](#) किया जाएगा। मार्च के बाद अगली प्लान मं यह रखा जाएगा कि अम्बाला जिला में जितनी पी0एच0सीज0 और सी0एच0सीज0 है उनको साथ जोड़ करके उनका इसी तरह से नवीनीकरण किया

जाएगा। मैं यह भी सदन को बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार के प्रयासों से केन्द्रीय सरकार ने फरीदाबाद में दो अस्पताल, एक 30 बैड का सैक्टर 3 में और दूसरा सैक्टर 3 में मंजूर किया है। ये हमारे स्वास्थ्य विभाग के प्रयास रहे हैं। यूरोपियन कमीशन की सहायता से हम हरियाणा के अस्वस्थ लोगों को स्वास्थ्य लाभ दे सकेंगे। यह हमारा प्रयास है।

**श्री अनिल विज:** अध्यक्ष महोदय, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए यूरोपियन कमीशन से जो सहायता लेने की योजना तैयार की गई है उसके बारे में मंत्री महोदय ने विस्तार से जवाब दिया है। मैं मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि यह जो स्टेट सैक्टर रिफॉर्म सैल का प्रोजेक्ट प्रस्तुत की गई है इसके बारे में कब तक कार्यवाही पूर्ण कर लेंगे?

**डॉ० मुनी लाल रंगा:** अध्यक्ष महोदय, यह प्रोजेक्ट 16.08.2000 को आई है उसके बाद इसके बारे में एक मीटिंग कर चुके हैं और दूसरी मीटिंग इसी माह में करके उसमें इस बारे में विचार करके जल्दी ही प्रस्ताव यूरोपियन कमीशन के सामने भेज दिया जाएगा।

**श्री अनिल विज:** अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि यूरोपियन कमीशन ने यह सहायता देने के बारे में कोई सजा या कोई कंडीशन लगाई है?

**श्री अध्यक्ष:** अब क्वेश्चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 (1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित  
प्र नों के लिखित उत्तर

**Declaration of Nuh as District**

**59. Sh. Karan Singh Dalal:** Will the Minister for Revenue be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to declare Tehsil Nuh in District Gurgaon as District; if so, the time by which it is likely to be declared as such?

नगर एवं ग्राम आयोजन मंत्री (श्री धीरपाल सिंह): जी नहीं।

**Widening Roads**

**81. Sh. Dharambir Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state the dates on which the work of widening of the following roads were started together with the time by which these will be widened:

1. From Tosham to Jui.
2. From Tosham to Behal; and
3. From Tosham to Siwani

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): तो गाम से जुड़, तो गाम से बहल तथा तो गाम से सिवानी तक की सड़कों को चौड़ा करने का कार्यक्रम क्रम 1: अगस्त, 1996, मार्च 1997

तथा अगस्त, 1996 में आरम्भ किया गयाथा। जैसे ही धनराशि उपलब्ध होगी ये कार्य पूर्ण कर लिए जायेगे।

### **Ameliorating the Condition of Weavers**

**13. Sh. Jai Parkash Gupta:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether the Govt. is aware of the fact that the weavers in the state are leading a life of object poverty; and

(b) If so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to ameliorate the condition of the weavers, if so, the details thereof and the time by which the said plan likely to be implemented?

**मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):**

(क) प्रश्न में वर्णित की गई स्थित तथ्यों पर आधारित नहीं हैं वर्ष 1987-88 में विकास आयुक्त (हथकरघा), वस्त्र मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा करवाई गणना के अनुसार हरियाणा राज्य के बुनकारों की मासिक आय 2883 रूपये थी जोकि देश में सबसे अधिक थी।

(ख) राज्य सरकार के पास कोई नया प्रस्ताव विचारधीन नहीं है।

### **Completion of Roads**

**90. Sh. Nafe Singh Rathi:** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Govt. is aware of the fact that

the construction work of roads from village Kaser (Jhajjar) to Village Nuna Majra has been lying incomplete for the last about 8 years; if so, the reasons thereof?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला): हां, श्रीमान जी, धन के अभाव के कारण यह कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।

### **Bus Depots Running in Loss**

**53. Sh. Jitender Singh Malik:** Will the Minister for Transport be pleased to state the total number of Haryana Roadways depots, if any running in loss in the state at present together with the reason in details thereof?

परिवहन मंत्री (श्री अशोक कुमार अरोड़ा):

1. हरियाणा राज्य परिवहन के लगभग सभी डिपू वर्ष 1995-96 से हानि में चल रहे हैं।

2. हानि के मुख्य कारण निम्न हैं:—

डीजल व अन्य प्रयोग में लाई जा रही वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि।

वेतनमानों को संशोधित करने से वेतन और वेज-बिलों में वृद्धि।

नकारा बसों का न बदलना जाना।

### **Opening of Government College**

**43. Sh. Jai Parkash Barwala:** Will the Minister of state for education be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of Govt. to open a Govt. college in Barwala Constituency; and

(b) If so, whether the land has been acquired for the construction of the building of the above said college?

शिक्षा राज्य मंत्री (श्री बहादुर सिंह):

(क) जी, नहीं

(ख) 'क' के दृष्टिगत प्रश्न ही नहीं उठता।

#### **Leakage in Government Houses**

**28. Sh. Jagjit Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is fact that there is leakage/seepage in type-II Government Houses recently built up by the Public Works Department (B&R) Haryana in Sector-39B, Chandigarh; and

(b) Whether it is also a fact that the cover on the main hole of the sewerage inside the houses has not been provided in the aforesaid houses; and

(c) Whether any checking/inspection has been made before given the completion certificate; if not, the reasons thereof; and

(d) Whether any officers/officials held responsible for the said lapse, if so, the names thereof togetherwiththe action taken them?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):

(क) जी हां।

(ख) हां, उन मकानों में जिन में वास नहीं है।

(ग) हां, पूर्ति प्रमाण पत्र अभी नहीं दिया गया।

(घ) अभी तक नहीं।

#### **Setting up 66KV Sub-station at Hassanpur**

**34. Sh. Udai Bhan:** Will the Chief Minister be pleased state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to set up a 66KV Sub Station at Hassanpur in District Faridabad; and

(b) If so, the time by which the said Sub-Station is likely to be set up at Hassanpur?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):

(क) हां, श्रीमान जी, फरीदाबाद जिले में हसनपुर में एक 66 के0वी0 उपकेन्द्र स्थापित करने का एक प्रस्ताव है।

(ख) यह प्रस्ताव है कि ऋण सहायता की व्यवस्था करने के लिए इस स्कीम को ग्रामीण विद्युतीकरण निगम से स्वीकृति मिलने में सामान्यतया छ' महीने का समय लगा जाता है। उसके बाद उपकेन्द्र के निर्माण में सामान्य रूप से 18 महीने का समय लग जाता है।

**Canal Based Water Supply Scheme for Sonipat City**

**16. Sh. Dev Raj: Dewan:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether the work on the Canal based water supply scheme for Sonipat City has been started; if so, the present position thereof togetherwith the amount out of the sanctioned amount which has been spent so far thereon; and

(b) The time by which the scheme, referred to in part (a) above, is likely to be completed?

**मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):**

(क) जी हां। 410 लाख रुपये के अनुमान के अन्तर्गत कार्य प्रगति पर हैं इस कार्य के लिए 190 लाख रुपये की दी गई राशि में से 180.29 लाख रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इस योजना का 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

(ख) योजना का पूर्ण होने भारत सरकार से भोश धनराशि की उपलब्धता पर निर्भर करता है।



## **Upgradation of 66KV Sub-Station Chhainsa**

**68. Sh. Rajinder Singh Bisla:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether it is a fact that 66 KV Sub Station, Chhainsa, Tehsil Ballabgarh, District Faridabad was upgraded; if so, the date of upgradation thereof; and

(b) Whether the construction work of the said sub-station has been started; if so, the latest position thereof together with time by which it is likely to be completed/commissioned?

**मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला):**

(क) नहीं, श्रीमान जी, 12.5/16 एमबीए 66/11 के 0वी स्थापित क्षमता के साथ 33 के 0वी उपकेन्द्र छैनसा की क्षमता वृद्धि 66 के 0वी के स्तर तक करना तथा इसके साथ ही 66 के 0वी सह प्रसार लाईन से सम्बन्धित कार्य एक स्वीकृत कार्य है।

(ख) धन प्राप्त हो जाने पर यह कार्य 18 माह में पूर्ण किया जाएगा, जिसके लिए स्कीम पहले ही ग्रामीण विद्युतीकरण निगम, नई दिल्ली के पास भेजी जा चुकी है।

**घोषणाएं**

(क) अध्यक्ष द्वारा—

**(i) सभापतियों के नामों की सूची**

**Mr. Speaker:** Hon'ble Members under 13(1) of the Rules of Procedure and conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominaton the following members to serve onthe Panel of Charipersons:-

1. Sh. Bhagwan Sahai Rawat
2. Sh. Rajender Singh Bisla
3. Sh. Ajay Singh Yadav
4. Sh. Chander Bhatia

(ii) याचिका समिति

**Mr. Speaker:** Hon'ble Members, I nominate the following members to serve onthe committee on Petions under Rule 303(1) ofr the Rules procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly:-

1.	Sh. Gopi Chand, deputy Speaker	Chairperson
2.	Sh. Bhagwan Sabhia Rawat	Members
3.	Smt. Veenta Chhibber	Members
4.	Sh. Abhey Singh Chautala	Members
5.	Sh. Zakir Hussain	Members

**Mr. Speaker:** Now, the Secretary will make announcement.

(ख) सचिव द्वारा-

## राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी

**सचिव:** महोदय, मैं उन विधेयकों को दर्शाने वाला विवरण जो हरियाणा विधान सभा ने अपने मार्च, 2000 में हुए सत्र में परित किए थे तथा जिन पर राज्यपाल महोदय ने अनुमति दे दी है, सादर सदन की मेज पर रखता हूँ।

### Statement

#### March Session, 2000

1.	The Haryana Pachayati Raj (Amendment) Bill, 2000
2.	The Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 2000
3.	The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 2000
4.	The Punjab Ayurvedic and Unani Practition (Haryana Amendment and Validaton) Bill, 2000
5.	The Haryana Appropriation (No. 1) Bill, 2000
6.	The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 2000
7.	The Haryana Appropriaton (No. 2) Bill, 2000
8.	The Indian Stamp (Haryana Amendemnt) Bill, 2000

बिजनैस एडवाजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पे 1 करना

**Mr. Speaker:** Hon'ble Members, now I report the time table of various business fixed by the Business Advisory Committee.

The Committee met at 10-00 a.m. on Tuesday, the 5th September, 2000 in the chamber of the Hon'ble Speaker.

"The committee recommends that unless the speaker otherwise directs, the Assembly, whilst in Session, shall meet on Tuesday at 2-00 P.M. and adjourn at 6-30 p.m. without question being put and on Wednesday, the 6th September, 2000 at 9-30 a.m. and adjourn after conclusion of Business entered in the list of Business for the day.

The Committee, after some discussion also recommends that the Business on 5th and 6th September, 2000 be transacted by the Sabha as under:-

Tuesday, the 5th September, 2000	1. Obituary Reference
	2. Question Hour.
	3. Presentation and adoption on First Report of the Business Advisory Committee.
	4. Papers to be laid/re-laid on the table of the House.
Wednesday, the 6th September, 2000 (9-30 a.m.)	1. Question Hour.

	2. Motion under Rule 15 regarding non stop sitting.
	3. Motion under Rule 16 regarding adjournment of Sabha sine die.
	4. Legislative Business.
	5. Any other Business.

**Mr. Speaker:** Now, the Minister will move the motion that this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

**Finance Minister (Prof. Sampat Singh)** Sir, I beg to move—

That this House agrees with the recommendation contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

**Mr. Speaker:** Motion moved—

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory committee.

**श्री भजन लाल (आदमपुर):** अध्यक्ष महोदय, हमारे सभी विधायकों के लिए हरियाणा के इतिहास के लिए और हरियाणा के लोगों के लिए यह बहुत ही लज्जाजनक बात है कि सैान सिर्फ दो दिन का हो रहा है। जबकि आप आदमी को यह पता था कि

ये सै ान 4 दिन का हो रहा है। ये दो दिन में ही \*\*\* चाहते है, जबकि सारा काम बाकी पड़ा है। यह कोई अच्छी बात नहीं है।  
(विधन)

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, \*\*\* भाब्द जो ये कह रहे है, उसको कार्यवाही से डिलीट करवा दें।

**श्री अध्यक्ष:** ठीक है, इस भाब्द को रिकार्ड न किया जाए।

**श्री भजन लाल:** आपके रूम में भी बात आई थी ओर मैने कहा था कि यह अन्याया हो रहा है। अगर आप की \*\*\* जगह कोई ओर बात कहना चाहते है तो हम मान लेंगे। स्पीकर सर, प्रदे ा की जनता के सथ यह बड़ा अन्याय हो रहा है बड़े बड़े मसले आज विचारधीन है, आजप्रदे ा में लॉ एण्ड आर्डर की कितनी बुरी हालत है ओर किसानों को बड़ी भारी परे ानी है।  
(विधन)

**श्री अध्यक्ष:** इस भाब्द को रिकार्ड न किया जाए।

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, लीडर ऑफ दि अपोजी ान जो बोल रहे है। वह रैलेवैन्ट नहीं हैं (विधन)

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मैने उस वक्त भी कहा था कि दो दिन के सै ान के लिए हम सहमत नहीं है।

**श्री अध्यक्ष:** भजन लाल जी, बिजनैस ऐडवाइजारी कमेटी की मीटिंग आपने अटैंड की थी और उसमें इस प्वायंट पर डिस्कान भी हुई थी। यह देखा गया था कि कुल 8 बिल हैं (विधन) इतना ज्यादा बिजनैस नहीं है कि सैकड़ों को चार दिन तक चलाया जाए इसलिए इसको दो दिन का किया गया था।

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, मैं वहां से वाक आउट करके गया था या नहीं? (विधन) क्या मैं इससे सहमत था, इस बात से सहमत नहीं हुआ ही मैं वहां से उठा कर चला गया था और उठ कर चला जाना वाक आउट ही है। (विधन)

**मुख्य मंत्री (श्री ओमप्रकाश चौटाला):** यह भी तय हुआ था कि आप यहां पर वाकआउट नहीं करेंगे (विधन)

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, ऐसी कोई बात नहीं है, मैं वहां यह कह कर आया था कि मैं इससे सहमत नहीं हूँ। इसलिए मैं जा रहा हूँ। आप बताइये कि मैंने ऐसा बोलना था या नहीं। अध्यक्ष महोदय, यह लोगों को साथ बहुत अन्याय होगा चाहे वे मैम्बर इनकी पार्टी के हों और चाहे हमारी पार्टी के हों। प्रदेश की जनता के साथ भी यह बहुत बड़ा अन्याय होगा। प्रदेश की जनता तथा अखबार इस सरकार के बारे में क्या कहेंगे? अध्यक्ष महोदय, क्या यह सरकार कहलाने के लायक है? यह सरकार दो किदन में ही भागना चाहती है। अध्यक्ष महोदय, इसलिए मेरी

आपसे विनती है कि आप चार दिन का प्रोग्राम बनाएं जैसे कि पहले आपने दिया हुआ है। (विधन)

**श्री मांगे राम गुप्ता:** अध्यक्ष महोदय, आपने जो सदन का सैव इन बुलाया है वह सरकार की सहमति से बुलाया है, अपोजी इन की सहमति से आपने सै इन नहीं बुलाया हैं सरकार खुद गवर्नर साहब और स्पीकर साहब को लिखकर दिया है कि सरकार के पास यह बिजनैस लाया जाना जरूरी हैं इसलिए हाउस बुलाया जाए। अध्यक्ष महोदय, हर एम0एल0ए0 के पास बाकायदा सम्मनिंग हुई है कि चार दिन का यह प्रोग्राम होगा और इसलिए आप पांच तारीख को हाउस में आए। हम अपनी पूरी तैयारी करके आपकी सम्मनिंग के मुताबिक हाउस में आए है। अगर चार दिन के बाद हम ओर टाईम मांगे तो सरकार कह सती है। कि काम नहीं हैं कमाल की बात तो यह है कि आपने आज ही कह दिया कि कल सै इन खत्म कर देगे। अध्यक्ष महादेय आप सरकार की वकालत करें यह ठीक नहीं है आपको तो हामरी वकालत करनी चाहिए क्योंकि आपकी नजर ते तो सभी लोग एक से है, अगर विपक्ष की बात आप नहीं सुनेगे तो विपक्ष के विधायक किस के पास जा कर अपील करेगे। (विधन) संपत सिंह जी, जहां तक आप खर्चा घटाने की बात कह रहे है। तो इस हाउस के काम करने से सरकार का बहुत सा खर्चा नहीं बच जाएगा। (विधन एवं भाोर)

**प्रो० सम्पत सिंह:** स्पीकर सर, अभी माननीय विपक्ष के नेता ने बी0ए0सी0 की रिपोर्ट पर ऐतराज किया, ठीक है। इन्होंने



कहा कि एग्री नही करता लेकिन साथ ही यह भी कमिट किया कि हाउस से वाक आउट नही करेगे। (विधन)

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, हम हाउस से वाक आउट नही करेगे लेकिन अगर आप से गलत काम हगे तो एक बार नही हम बार-बार वाक आउट करेगे। (विधन) इनके कहने से वाक आउट नही करेगे अगर वाक आउट करेगे तो अपनी मर्जी जसे वाक आउट करेगें। (विधन)

**प्रो संपत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, सवाल बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट का था कि ये इस पर वाक आउट नही करेगे। ये तो विपक्ष के नेता है इनको विपक्ष में आने का मौका पहली बार मिला है। विपक्ष के नेता के रूप के रूप में बैठने के लिए इनको पहली बार मौका किला है।

**श्री भजन लाल:** \* \* \* \* \*

**श्री अध्यक्ष:** भजन लाल जी जो भी बोल रहे है वह रिकार्ड नही किया जाएं

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महादेय, मांगे राम गुप्ता जी और भजन लाल जी ने कहा कि चार दिन का बिजनैस फिफस हुआ था। मै इनको यह बताना चाहूंगा कि यह गवर्नमेंट तक नही करती है। स्पीकर सर, 8 आर्डिनैस की बात है। इनमें से 5 बिल्ज में कन्वर्ट होने हैं पांचों एक ही नेचर के हैं और छोटे है। यह बिजनैस तो आज भी ट्रांजैक्ट हो सकता था लेकिन हमने सोचा

कि आप सब को बोलने का मौका मिलना चाहिए इसलिए गवर्नमेंट ने और स्पीकर साहब ने इस बिजनैस के लिए दो दिन निर्धारित किए हैं। आप सब के पास बिल पहुंच गए हैं और हम चाहते हैं कि आप सब कल पूरी तैयारी करके आएँ और उन पर बोले। अध्यक्ष महोदय, जहां तक इन्होंने दो दिन वाली बात कही है और लज्जा की बात कही है अध्यक्ष महोदय, 4 जुलाई 1992 को एक दिन का सेशन बुलाया था। उस वक्त मुख्य मंत्री कौन थे।

**श्री भजन लाल:** उस वक्त आप हाउस में नहीं थे।

**प्रो० सम्पत सिंह:** उस वक्त मैं विपक्ष का नेता था।

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, ये सारा इल्जाम आप पर डालना चाहते हैं कि दो दिन का सेशन आपने किया है ये तो चार दिन का सेशन लाना चाहते थे।

**श्री अध्यक्ष:** भजन लाल जी आप पहले सम्पत सिंह की बात सुन ले फिर अपनी बात कहना।

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, इसी तरीके से अगस्त, 1975 में भी भजन लाल जी सरकार में मंत्री थे उस वक्त भी भजन लाल जी सरकार में मंत्री थे उस वक्त भी एक दिन का अधिवेशन आयोजित था। 2 जून, 1986 में एक दिन का सेशन आयोजित था और उस वक्त भी भजन लाल जी मुख्य मंत्री (गोर एवं व्यवधान) आप पहले मेरी बात सुने। अध्यक्ष महोदय, एक दिन का सेशन और दो दिन का सेशन इनके टाइम में हुआ है अगस्त,

1975, 2 मई, 1975, 3 सितम्बर, 1979 को जो सैंकान हुए थे उस वक्त ये चीफ मिनिस्टर थे।

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जब हमारे दो दिन का सैंकान बुलाया था तो दो दिन का नोटिस दिया था जब एक दिन का सैंकान बुलाया था तो एक दिन का ही नोटिस दिया था। अब इस बारे में पता कर सकते हैं यह रिकार्ड की बात है।

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो पहले कहना था वह कह लिया है अब मैं। इनकी बात का जवाब दे रहा हूँ और इनको जवाब सुनना चाहिए। उस वक्त इनकी लज्जा कहां पर भाग गई थी जब ये एक दिन और दो दिन का सैंकान लेकर आए थे। (विधन) मैं इनको आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि सरकार को किसी किस्म का डर नहीं है हम सब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व वाली सरकार में यूनाईटेड हैं झगड़ा तो इनकी तरफ है इनको यूनाईटेड होने के लिए केन्द्र की मीटिंग बुलानी पड़ती है। (गौर एवं व्यवधान) स्पीकर सर, अभी माननीय विपक्ष के नेता ने बी०ए०सी० की रिपोर्ट पर ऐतराज किया, ठीक है इन्होंने कहा कि मैं एग्री नहीं करता लेकिन साथ ही यह भी कमीटमेंट किया कि हाउस से वाक आउट नहीं करेंगे। (विधन)

**श्री भजन लाल:** अध्यक्ष महोदय, हम हाउस से वाक आउट नहीं करेंगे लेकिन अगर आप से गलत काम होगा तो एक

बार नहीं हम बार—बार वाक आउट करेगे। (विधन) इनके कहने से वाक आउट नहीं करेगे, अगर वाक आउट करेगे तो अपनी मर्जी से वाक आउट करेगे। (विधन)

**अध्यक्ष:** आप सभी अपनी अपनी सीटों पर बैठें।

**प्रो० सम्पत सिंह:** अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो यूनाईटेड फोर्स है ओर दूसरी तरफ सारे के सारे आपस में लड़ रहे हैं। टांग खींच रहे हैं। ये किस बात का दावा कर रहे हैं? सरकार तो पूरे पांच साल चलेगी। जो इनको कहना है वह ये कहें। दो दिन का समय बहुत है। ( ओर एवं व्यवधान)

**Mr. Speaker:** Question is

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

The motion was carried.

सदन की मेज पर रखे गये / पुन रखे गये कागज पत्र

**Mr. Speaker:** Now, a Minister will lay/re-lay the papers on the table of the House.

**Finance Minister (Prof. Sampat Singh):** Sir, I beg to lay on table—

The Haryana Panchayati Raj (Second Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 4 of 2000)

The Haryana Municipal (Second Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 5 of 2000)

The Haryana Municipal Corporation (Second Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 6 of 2000)

The Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 7 of 2000)

The Haryana Municipal (Third Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 8 of 2000)

The Haryana Municipal Corporation (Third Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 9 of 2000)

The Haryana Local Area Development Tax Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 10 of 2000.)

The Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment) Ordinance, 2000 (Haryana Ordinance No. 11 of 2000)

Sir I beg to re-lay on the table-

The Power Department Nonfiction No. S.O. 106/H.A.10/98/S/23, 24, 25/98, dated the 14<sup>th</sup> August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 111/H.A.10/98/S/23, 24, 25/98, dated the 16<sup>th</sup> August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 35/H.A 20/73/S.64/99, dated the 31<sup>st</sup> March, 1999 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules 1999, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 47/H.A 20/73/S.64/99, dated the 18<sup>th</sup> May, 1999 regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules 1999, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 156/H.A.10/98/S/23, 24, 25 and 55/99, dated the 1<sup>st</sup> July, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 70/const./Art. 320/Amd.(1)/99, dated the 2<sup>nd</sup> July, 1999 regarding the Haryana Public Service commission (Imitation of Functions) First amendment Regulations, 1990, as required under Articles 320(5) of the constitution of India.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 186/H.A.10/98/S/23, 24, 25/99, dated the 13<sup>th</sup> August, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 213/H.A.10/98/S/23, 24, 55/98, dated the 15<sup>th</sup> October, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 235/H.A.10/98/S/23, 24, 55/98, dated the 15<sup>th</sup> November, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 244/H.A.10/98/S/23, 24, 55/98, dated the 30<sup>th</sup> November, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Local Government Department Notification No. G.S.R. 42/H.A./16/1994/S.67/98, dated the 30<sup>th</sup> November, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Municipal Corporation Employees (Recruitment and Conditions) Service Rules, 1998, as required under Section 390(2) of the Haryana Municipal Corporation Act, 1994.

Sir, I also beg to lay on the table—

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 11/const./Art. 320/Amd.(1)/2000, dated the 27<sup>th</sup> July, 2000 regarding the Haryana Public Service Commission (Imitation of Functions) First amendment Regulations, 2000, as required under Article 320(5) of the constitution of India.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 18/H.A. 20/73/S.64/2000, dated the 3<sup>rd</sup> April, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Amendment) Rules 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 21/H.A 20/73/S.64/2000, dated the 20<sup>th</sup> April, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Amendment) Rules 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 25/const./Art. 320/Amd.(1)/2000, dated the 23<sup>rd</sup> May, 2000 regarding the Haryana Public Service commission (Imitation of Functions) First amendment Regulations, 1990, as required under Articles 320(5) of the constitution of India.

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 29/const./Art. 320/Amd.(1)/2000, dated the 29<sup>th</sup> June, 2000 regarding the Haryana Public Service commission (Imitation of Functions) Second amendment Regulations, 1990, as required under Articles 320(5) of the constitution of India.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 41/Haryana Ordinance 10/2000/S.26/2000, dated the 27<sup>th</sup> July, 2000 regarding the Haryana Local Area development Tax Rules, 2000 as required under Section 27 of the Haryana Local Area Development Tax Ordinance, 2000.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 4/H.A 20/73/S.64/2000, dated the 28<sup>th</sup> July, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Third Amendment) Rules 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.



The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 45/H.A 20/73/S.64/2000, dated the 28<sup>th</sup> July, 2000 regarding the Haryana General Sales Tax (Fourth Amendment) Rules 2000, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Social Welfare Department Notification No. G.S.R. 58/C.A.28/1961/S.10/2000, as required under Section 10(3) of the Dowry Prohibition Act, 1961.

The Power Department Nonfiction No. S.O. 73/H.A.10/98/Ss.23, 24, 25 and 55/2000, dated the 14<sup>th</sup> June, 2000, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Report of the Commission of Inquiry headed by Justice M.L. Koul (Retd.), regarding Police Firing Causing death of two persons other 9<sup>th</sup> October, 1997, at Bhadurgarh, Police Station City Bhadurgarh District Jhajjar, as required under Sub-Section (4) of Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952.

The Report of the commission of Inquiry headed by Justice M.L. Koul (Retd.) relating of Police firing made on the workers in Peculate Spinning & Weaving Miulls, Dharuhera on 19-02-1998, as required under Sub-Section (4) of Section 3 of the Commission of Inquiry Act, 1952.

The Annual Report of Haryana Sate Pollution control Board for the Year 1996-97, as required under Section 39(2) of the water (Prevention and control of Pollution) Act, 1974.

The 27<sup>th</sup> Annual Report of the Haryana Tanneries Limited for the Year 1998-99, as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 25<sup>th</sup> Annual Report of the Haryana Land Reclamation and Development Corporation Limited for the Year 1998-99, as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The Audit Report of the Haryana Labour Welfare Board for the Year 1997-98, as required under Section 19-A(3) of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and conditions of Service) Amendment Act, 1956

The 25<sup>th</sup> Annual Report of the Haryana Seeds Development corporation Limited for the Year 1998-99, as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31<sup>st</sup> March, 1999 No. 2 (commercial) of the Government of Haryana in Pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the First State Finance Commission, Haryana (March, 1997), as required under clause 4 of Article 243-I and Clause 2 of Article 243-Y of the Constitution of India.

**Mr. Speaker:** Now, the House stands adjourned till 9-30 A.M. tomorrow, the 6<sup>th</sup> September, 2000.

**16.02 Hrs.**

(Teh Sabha then adjourned till 9-30 A.M. on  
Wednesday, the 6th September, 2000)